53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 7.9 °c अधिकतम 24.6 °c

अमृतवाणी

जीवन में सबकुछ कॉपी हो सकता है, लेकिन संस्कार, चरित्र और ज्ञान नहीं ।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

ममता बनर्जी डरी हुई हैं, अब पश्चिम बंगाल में भी कमल खिलने जा रहा है : केशव प्रसाद मौर्य

देखना यह है कि कौन किसकी नींव हिलता है?....

सूर्योदय - 6:52, सूर्यास्त - 5:20 | वर्ष : 53/ अंक : 327 | बृहस्पतिवार, 27 नवम्बर 2025 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, सप्तमी | सम्वत 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

60 फीसदी मुस्लिमों की भीड़ देख गद्गद हुए चन्द्रशेखर आजाद

▶ एससी, एसटी के लोगों से की आरक्षण के लिए 1 जनवरी के बाद यात्रा निकालने का घोषणा

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। सड़कों पर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के द्वारा जमकर हुड़दंगबाजी के बाद मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में 60 फीसदी मुसलमानों की भीड़ देख आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व नगीना विधान सभा क्षेत्र से सांसद चन्द्रशेखर आजाद गद्गद दिखाई दिये। जोशीले अंदाज में चन्द्रशेखर आजाद ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि एससी, एसटी के लोगों को रिजर्वेशन मिलना चाहिए, जिसके लिए वह 1 जनवरी के बाद से निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए यात्रा निकालने का काम करेंगे। अपनी घोषणा में चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि यात्रा के दौरान वह घर-घर जाकर लोगों को जगाएंगे और कहेंगे कि पाल, प्रजापति, कश्यप, मौर्य, शाक्य, कुशवाह और बिना राजभर के मल्लाह, यादव, गुर्जर और जाट आदि तमाम जातियों को जिन्हें नौकरी नहीं मिली है, उनको 18 प्रतिशत प्राइवेट सैक्टर में नौकरी मिलेगी इस बात का हम जनता को हर हाल में विश्वास दिलाएंगे। चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि मैं मुजफ्फरनगर की धरती से ऐलान करता हूँ और कहता हूँ कि उन सभी संविधान विरोधी ताकतों को कि जब तक भीम आर्मी, आजाद पार्टी, हमारे नेता, हमारे पदाधिकारी हैं न हम संविधान की तरफ आंख उठाने देंगे और न ही संवैधानिक मूल्यों को खत्म होने देंगे। दिल्ली और लखनऊ में बैठी सरकारें आप सभी का साम, दाम, दण्ड, भेद सब तरह से मनोबल गिराने की कोशिश करती रहेगी, लेकिन हम सरकार के मंसूबे कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि आपकी मेहनत खराब नहीं जाएगी, एक नया सूरज पश्चिमी उत्तर प्रदेश से निकालने का काम करेगी। आपकी आवाज दिल्ली और लखनऊ तक पहुंचेगी। उन्होंने संविधान की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर सभी को बधाई दी और कहा कि यदि मुझसे प्यार करते हो और सच में देश में परिवर्तन लाना चाहते हो तो 40-45 मिनट इस मैदान से इधर-उधर मत हटना। उन्होंने प्रशासन को कोसते हुए कहा कि प्रशासन की गैर जिम्मेदारी की वजह से 5-6 किमी. तक मेरी माताएं-बहनें, बच्चियां पैदल चलकर यहां तक पहुंची हैं। मुझे आपका दर्द साफ दिखाई पड़ रहा है, मगर चिंता मत करना, आपकी मेहनत खराब नहीं जाएगी। आपकी इसी मेहनत से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक नया सूरज निकलेगा। उन्होंने नौजवानों को जिम्मेदारी सौंपी और कहा कि 14 जिलों में 30612 बूथें हमारे वोट रक्षक एक-एक बूथ को संभालने का काम करेंगे और खाट डालकर एक-एक वोट की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियां खत्म हो रही हैं। उन्होंने कहा कि वे विश्वास दिलाते हैं कि आपके बच्चों को रोजगार मिलेगा। बस अपना राज-काज बना लो। हर घर तक रोजगार के जरिए पचास हजार रुपये तक पहुंचाने का काम फिर हम करेंगे। उन्होंने भीड़ से पूछा कि ईवीएम से चुनाव होना चाहिए या बैलेट से तो भीड़ ने बैलेट की आवाज लगाई तो उन्होंने कहा कि हम 1 जनवरी से इसी काम की यात्रा निकालेंगे कि चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से ही होना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को कोसते

शेष समाचार पृष्ठ-4 पर

▶ 2027 में सूद समेत मीरापुर की जनता का कर्ज उतारूंगा।

यह तो लगभग तय है कि जेल से छूटे शाहनवाज राणा व नवाजिश आलम होंगे 2027 में चन्द्रशेखर के प्रत्याशी

मुजफ्फरनगर। हाल ही में बामुश्किल जेल से छूटे शाहनवाज राणा आजाद समाज पार्टी में शामिल हुए और खूब खिलखिलाते दिखाई दिये। उनके साथ नवाजिश व अमीर आलम भी मौजूद रहे और बेशक मंच से घोषणा न हुई हो, मगर यह तस्वीर साफ हो चुकी है कि शाहनवाज राणा और नवाजिश आलम चन्द्रशेखर आजाद की पार्टी से प्रत्याशी घोषित होंगे। हालांकि यह तस्वीर तभी साफ हो पाएगी कि दोनों को कहां-कहां से चुनाव लड़ाया जायेगा। जिस तरह से चन्द्रशेखर आजाद ने मीरापुर के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, उससे यही एहसास हो रहा है कि शाहनवाज राणा को मीरापुर से तथा नवाजिश को बुढ़ाना से टिकट देने की सम्भावना है। बस देखना यह होगा कि 2027 तक शाहनवाज राणा दोबारा जेल जाएंगे या जेल के बाहर रहकर ही चुनाव लड़ेंगे।

रैली के दौरान की गयी स्टंटबाजी व हुड़दंग

हूटर-पटाखा बुलेटों ने जमकर मचाया उत्पात

मुजफ्फरनगर। आपको बता दें रैली से पहले ही सड़कों पर आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई। सुबह से ही भारी संख्या में लोगों की भीड़ देखने को मिली। इस दौरान यातायात नियमों की धज्जियां जमकर उड़ाई गई। पुलिस के सामने कई ऐसे पटाखा बुलेट वाले सरेआम घूम रहे थे, जिन्हें ना आम जनता की परवाह थी और ना पुलिस प्रशासन की। ऐसे में आप खुद ही समझ सकते हैं कि यह सविधान दिवस मनाने की आड़ में खुलेआम एक शक्ति प्रदर्शन किया गया। इसमें ऐसा लग रहा था कि मानो हर कार्यकर्ता प्रशासन और पुलिस को चुनौती देकर कह रहा हो, कि आज हम खुलेआम घूमेंगे जो करना हो कर लो!

सीएम ऐसी रैली करके दिखा दें तो मान जाऊंगा

मुजफ्फरनगर। रैली को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि प्रशासन ने उन्हें रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ताओं का हजूम देखकर प्रशासन और पुलिस पीछे हट गई। आजाद ने कहा कि इतनी कठिनाई में भी इतनी बड़ी रैली को सम्बोधित किया। अगर सीएम में दम हो तो एक ऐसी रैली करके दिखा दें।

सड़कों पर दिखा भारी जाम

मुजफ्फरनगर। आपको बता दें कि रैली के दौरान सुबह से ही शहर की सड़कों पर भारी जाम देखने को मिला। इस दौरान चाहे भोपा फ्लाईओवर हो, या जानसठ रोड हर जगह आसपा के लोगों की आवाजाही के कारण भारी भीड़ से जाम लगने के कारण आम जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार महावीर चौक से लेकर शामली अड्डा और अन्य क्षेत्रों में जाने वाले टैम्पुओं को भारी भीड़ के चलते 4 बजे तक रोका गया था, जिसके कारण आम जनमानस को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मुझ पर झूठे आरोप लगवा रही है केंद्र सरकार

मुजफ्फरनगर। अपनी तथाकथित गर्लफ्रेंड का नाम लिये बिना रोहिणी के आरोपों का ठीकरा भी चंद्रशेखर ने अपने विरोधियों पर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि उनके विरोधी उन पर ऐसे आरोप लगवा रहे हैं, ताकि उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जब आप राजनीति में आ जाते हो, तो आपके लाखों दुश्मन तैयार हो जाते हैं जो आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं, लेकिन आने वाले समय में जनता उनको करारा जबाव देगी।

आसपा रैली बीच ई-रिक्शा चालकों ने किया चक्का जाम

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। संविधान बचाओ महारैली के बीच बुधवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर नगरीय क्षेत्र में ई-रिक्शा चालकों ने यूं ही अचानक चक्का जाम करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, जिससे आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच जीआईसी मैदान में होने वाली महारैली में आसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की रैली में जाने वाले समर्थकों के साथ आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रैली की तैयारियों के बीच प्रकाश चौक से महावीर चौक तक ई-रिक्शा चालकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मार्ग अवरुद्ध करने का प्रयास किया। बाद में ई-रिक्शा चालकों ने डीएम कार्यालय पर पहुंचकर धरना दिया। बुधवार को नगरीय क्षेत्र में अपनी लंबित मांगों को लेकर ई-रिक्शा चालकों ने नगर में चक्का जाम करते हुए शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान ऐलान हुआ कि यातायात पुलिस ने शहर के लिए जो नया ट्रैफिक रूट तय किया है, वह पूरी तरह से ऐसे में अव्यवहारिक है और इससे इन मार्गों पर ई-रिक्शा चालकों की आमदनी पर भी असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने पुलिस द्वारा की जा रही कथित अवैध वसूली को तुरंत बंद करने की मांग की। इस दौरान नगर में कुछ ई रिक्शा चालकों ने माइक से घोषणा की कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, वे चक्का जाम जारी रखेंगे।

चंद्रशेखर रावण का पुतला दहन करने आए दो लोग गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण का पुतला दहन करने की कोशिश में जय समता पार्टी के दो पदाधिकारी को पुलिस ने हिरासत में ले लिये उन्हें थाने ले गए। मिली जानकारी के अनुसार राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित आजाद समाज पार्टी की संविधान रैली का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे थे। इस दौरान जय समता पार्टी के दो पदाधिकारियों को उसे समय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जब वह आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण का पुतला दहन करने की तैयारी कर रहे थे और नारेबाजी करते हुए रैली स्थल तक पहुंचने का प्रयास करना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने उनकी कोशिश नाकाम कर दी और जय समता पार्टी के दो पदाधिकारी नील कुमार अध्यक्ष एवं संस्थापक अमन बंसल युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

चंद्रशेखर की रैली में नहीं पहुंची रोहिणी घावरी

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। आसपा अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर आजाद को चैलेंज करने वाली उनकी एक्स गर्लफ्रेंड डॉक्टर रोहिणी घावरी मुजफ्फरनगर की संविधान बचाओ रैली में नहीं पहुंचीं। रोहिणी ने एक दिन पहले एक्स पर पोस्ट किया था कि अब मैं भी रैली में शामिल हो रही हूं। जो होगा देखा जाएगा। चंद्रशेखर खुद मुझे सुरक्षा देंगे, क्योंकि मुझे खरोंच भी आई तो वे जेल जाएंगे। डॉ. रोहिणी घावरी के इस ऐलान के बाद रैली में हंगामा होने की आशंका थी। रोहिणी की सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट हो गया था। हालांकि रोहिणी नहीं आईं। सांसद चंद्रशेखर और उनकी पूर्व गर्लफ्रेंड डॉ. रोहिणी घावरी के बीच विवाद चल रहा है। रोहिणी ने आसपा अध्यक्ष चंद्रशेखर के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने, शादीशुदा होने की बात छिपाने, फ्रॉड केस करके कॉरियर बर्बाद करने, सुसाइड के लिए उकसाने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

उत्तराखंड में लगी स्मार्ट मीटर पर रोक, यूपी में स्मार्ट मीटर जमकर रहे ठोक

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। एक ओर जहां यूपी में पॉवर कारपोरेशन द्वारा घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर ठोके जा रहे हैं, वहीं उत्तराखंड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड ने राज्य भर में स्मार्ट मीटर पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह रोक अगले आदेशों तक जारी रहेगी। इसकी वजह पॉवर कारपोरेशन ने 20 हजार डेमेज मीटर बताया है। हालांकि उत्तराखंड में अभी तक तीन लाख तीस हजार से अधिक स्मार्ट मीटर इंटाल किये जा चुके हैं। मगर इन मीटरों को इंटाल करने के बाद उनके फूंकने, खराब होने की शिकायतों के बाद इस पर रोक लगाई गयी है। ऐसे में यूपी में जमकर उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर तरह-तरह की तरकीबें लगाकर स्मार्ट मीटर ठोकने का काम किया जा रहा है। हालांकि स्मार्ट मीटरों को लगाने की शुरूआत से ही बाहुबली संगठनों के नेताओं ने इसका खुलकर ऐलान कर दिया था। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने खुलकर इसका विरोध करते हुए अपने कार्यकर्ताओं को स्मार्ट मीटर ना लगाने का ऐलान किया था। बावजूद उसके जहां-जहां बिजली कर्मचारी भाकियू के गढ़ में उक्त स्मार्ट मीटर को लगाने पहुंचे, वहां विद्युत विभाग के कर्मचारियों की ठुकाई-पिटाई कार्यक्रम भी चला, जिसके बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी दबंग इलाकों से भागते दिखाई दिये। जैसे ही उत्तराखंड में स्मार्ट मीटरों पर रोक की सूचना यूपी में आयी तो यूपी के आम नागरिकों में भी जोश दिखाई देने लगा और विरोध के स्वर आज ही से ऊंचे होने लगे। संभावना जताई जा रही है कि 2027 में वोट बटोरने के लिए यूपी सरकार भी अब जल्द ही यूपी पॉवर कारपोरेशन से ऐलान करा सकती है कि वें भी स्मार्ट मीटर पर रोक लगाये और रोक लगाकर उपभोक्ताओं को यह दर्शाए कि जैसे 2027 का यह तोहफा स्मार्ट मीटर रोककर उन्हें दिया जा रहा है। आपको बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) उपभोक्ताओं को पोस्टपेड व प्रीपेड मीटर चुनने का अधिकार देती है और इसके लिए उपभोक्ताओं को बाध्य न किया जाये। इस इशारे के बाद अब देखना यह होगा कि उत्तराखंड की राह पर कब यूपी सरकार या पॉवर कारपोरेशन चलती दिखाई देगी।

स्मार्ट मीटर ऐसे करते हैं काम

मुजफ्फरनगर। बिजली वितरण की व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक उन्नत तकनीक है। ये पारंपरिक मीटरों से कई मायनों में अलग होते हैं। ये मीटर एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का उपयोग करते हैं। कामः इनमें आम तौर पर एक सिम लगा होता है, जो मीटर रीडिंग, रियल-टाइम डेटा और अन्य जानकारी को सीधे सेलुलर नेटवर्क के माध्यम से बिजली कंपनी के केंद्रीय सर्वर तक भेजता है। स्मार्ट मीटर का सारा डेटा सीधे सर्वर पर जाता है। यह सर्वर डिस्कॉम (बिजली कंपनी) के कंट्रोल सेंटर को पूरा नियंत्रण देता है। कंट्रोल सेंटर से रिमोट के जरिए ये कार्य किए जा सकते हैं: उपभोक्ता की बिजली सप्लाई को जोड़ा या काटा जा सकता है (जैसे प्रीपेड रिचार्ज खत्म होने पर)। ओवरलोडिंग (ओवरलोडिंग) रोकने के लिए लोड की सीमा तय की जा सकती है। टैरिफ (दरों) में बदलाव को तत्काल लागू किया जा सकता है। इसके अलावा दावा है कि स्मार्ट मीटर को छेड़छाड़-रोधी बनाया जाता है। यदि कोई मीटर के साथ छेड़छाड़ करता है, तो इसकी सूचना तुरंत सर्वर को मिल जाती है। इससे विभाग को बिजली चोरी का पता लगाने और उसे रोकने में तुरंत मदद मिलती है। इसके अलावा सौर ऊर्जा योजना के तहत चलाए जा रहे अभियान को लेकर इस मीटर में व्यवस्था है कि उपभोक्ता द्वारा उत्पादित बिजली को सीधे ग्रिड में भेजकर उसकी रीडिंग रखी जा सकती है। इसके साथ ही उपभोक्ता द्वारा प्रयोग की जाने वाली बिजली की अलग से रीडिंग यह मीटर रखेगा।

आम उपभोक्ता कर रहे विरोध

मुजफ्फरनगर। तमाम विवादों के बीच आम उपभोक्ता स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध कर रहे हैं। आम धारणा बन गई है कि स्मार्ट मीटर बहुत तेज चलते हैं, जिससे उन्हें अधिक बिल चुकाना पड़ेगा। जनपद में फरवरी 2026 तक कुल 5 लाख 30 हजार मीटरों को बदलने का लक्ष्य रखा गया है। योजना शुरू हुए लगभग सवा साल हो चुका है, लेकिन विभागीय लेटलतीफी और सार्वजनिक विरोध के चलते अब तक केवल 13% मीटर ही बदले जा सके हैं। ऐसे में अगले तीन महीनों में 87% मीटर बदलने का काम असंभव माना जा सकता है।

बिजली कर्मचारियों का भी विरोध

मुजफ्फरनगर। स्मार्ट मीटर को लेकर खुद बिजली विभाग के कर्मचारी भी राजी नहीं हैं। जिले के हालात यह हैं कि वर्तमान और बिजलीकर्मी भी स्मार्ट मीटर लगवाने के इच्छुक नहीं है और इसका विरोध कर रहे हैं। जनपद में 951 कर्मचारियों के मीटर बदले जाने थे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक केवल 318 मीटर ही बदले जा सके हैं।

पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने वाले युवक अनस की मौत

बुढ़ाना, 26 नवम्बर (बु.)। बीती 19 नवम्बर की सुबह बुढ़ाना पुलिस की ज्यादतियों के चलते अपने शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले दुकानदार अनस मलिक ने आज घटना के आठवें दिन दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अनस मलिक की मौत की खबर पर जहां परिजनों में जबरदस्त कोहराम मच गया वहीं गांव में भी शोक व्याप्त हो गया। संभवत बृहस्पतिवार के दिन मृतक अनस का शव उसके गांव में लाया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के हुसैनपुर कलां गांव के निवासी लगभग 23 वर्षीय युवक अनस मलिक पुत्र मुरसलीन अहमद ने बीती 19 नवम्बर की सुबह अपने घर के पास अपने शरीर के उपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली थी। तब उसको गंभीर हालत में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में अगले दिन ही अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे अनस का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें उसने बुढ़ाना कोतवाली में तैनात 3 पुलिसकर्मियों पर अपने उत्पीड़न का खुला आरोप लगाया था तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। तब एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने इस मामले की जांच एसपी देहात आदित्य बंसल को सौंपी थी तो उन्होंने एसएसपी को जांच रिपोर्ट पेश की थी। तब एसएसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों को सस्पैंड कर दिया था। इसी बीच अनस के पिता का एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें उन्होंने बुढ़ाना पुलिस को क्लीन चिट दे दी थी जबकि अनस के दादा ने एसएसपी के समक्ष बुढ़ाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब खबर है कि अनस ने आज आठवें दिन दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के चलते दम तोड दिया। जिसको लेकर परिजनों में कोहराम मचा है। संभवत मृतक अनस मलिक का शव 27 नवम्बर को उसके गांव हुसैनपुर कलां पहुंचेगा। अनस की मौत की खबर पर गांव में भी शोक व्याप्त हो गया है। देर रात समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण अनस के शव के आने का इंतजार कर रहे थे।

॥ श्रद्धांजलि॥

अश्रु-पूरित नेत्रों से सूचित कर रहे हैं कि हमारे पूज्य पिताजी

श्री पवन कुमार सिंहल जी

(सुपुत्र स्व0 श्री ईश्वर दास सिंहल) का स्वर्गवास 17 नवंबर, 2025 को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।

तेरहवीं शुक्रवार 28 नंवबर, 2025 को होगी।

रस्म पगड़ी ..... दोपहर 2 बजे

स्थानः- आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर

-: शोकाकुल परिवार:-

श्रीमती अनीता सिंहल (पत्नी)

विनोद सिंहल, प्रवीण सिंहल
पुरूषोत्तम सिंहल
योगेश सिंहल (भगत जी)
मुकेश सिंहल, ब्रजमोहन सिंहल
कोमल सिंहल (भाई)

राहुल-खुशबू सिंहल, विपुल-श्रुति सिंहल,
विभोर-चारू सिंहल (पुत्र-पुत्रवधू)
आकांक्षा-सिद्धार्थ गुप्ता (पुत्री-दामाद)
मिशिका, मायरा, अनायशा, कियारा (पोती)
रियांश, अद्वित, आयंश (पोते)
अगस्त्य, रूद्र (नाती)

प्रतिष्ठानः- लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक्स, कोर्ट रोड, मुजफ्फरनगर

M:. 91 9711780028, 9205923690

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मौत की उड़ी खबर, रावलपिंडी में हाई अलर्ट जारी

रावलपिंडी, 26 नवम्बर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस समय रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं, लेकिन हाल के दिनों में उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अफगानिस्तान से लेकर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद तक उनके कथित 'हत्या किए जाने' की खबरें तेजी से फैलने लगीं, जिससे राजनीतिक माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया। इसी बीच इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक बड़ी संख्या में जेल की ओर बढ़ने लगे, जिसके चलते आतंक निरोधी संस्था ने रावलपिंडी में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इमरान खान को 2023 में भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किया गया था। तब से वह अपनी पत्नी बुशरा बीबी के साथ जेल में सजा काट रहे हैं। पिछले ही दिनों इमरान खान ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अगर जेल में उनके साथ कोई हादसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की होगी। मंगलवार (25 नवंबर) को इमरान खान के समर्थक आदियाला जेल के बाहर जमा हुए और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में इमरान खान की बहन आलिमा खान भी शामिल रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन हफ्तों से परिवार को मुलाकात की अनुमति नहीं दी जा रही। हर बार उनका आवेदन खारिज कर दिया जाता है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ सफेद हाथी बनकर रह गये आरआरसी सैन्टर

भोपा, 26 नवम्बर (बु.)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन की हकीकत मोरना ब्लॉक में धरातल पर एक मजाक साबित हो रही है। सरकारी खजाने से लिए गए लाखों रुपये की धनराशि से निर्मित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, जिन्हें कूड़ाघर का नाम दिया गया है। आज पूरी तरह से उपेक्षित और निष्क्रिय पड़े हैं और महज एक शोपीस बनकर रह गए हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोल रही है बल्कि सरकारी योजनाओं के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार और जनधन की लूट का जीवंत उदाहरण पेश कर रही है। मोरना ब्लॉक की दर्जनों ग्राम पंचायत में यह भ्रष्टाचार किया गया है, लेकिन किसी को इतने बड़े भ्रष्टाचार की भनक तक नहीं लगी है। मोरना ब्लॉक में चार दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतें हैं, जिसमें ग्राम पंचायत की ओर से गांव का सूखा व गीला कूड़ा डालने के लिए कूड़ाघर बनाए गए हैं। ये कूड़ाघर बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में लाखों रुपए खर्च किए गए हैं, लेकिन ये कूड़ाघर केवल दिखाने के लिए ही रह गए हैं। इनमें ग्राम पंचायत द्वारा कूड़ा नहीं डाला जाता है। ज्यादातर ग्राम पंचायत में कूड़े का निस्तारण तालाबों, आबादी के बीच या गांव के बाहर किया जा रहा, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। ग्राम प्रधान द्वारा बनाए गए इन कूड़ाघर को कागजों में बनाकर मोटे पैसे का बन्दरबांट किया गया है। ग्रामीणों ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है। खण्ड विकास अधिकारी विशाखा ने बताया कि मोरना ब्लॉक क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आरआरसी सैन्टर बनाए गये हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से सैंटर अभी चालू नहीं हुए हैं। कुछ गांवों को चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही सैन्टरों को चालू कराया जाएगा, जिन ग्राम पंचायतों में कूड़ा गांव के बाहर व तालाबों में भेजा जा रहा है, उनकी जानकारी कर कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए लाखों रुपये की भारी भरकम धनराशि आवंटित की गई है। इसी के तहत देश भर की तरह मोरना ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में भी कूड़ाघरों के निर्माण का कार्य बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया। इन केंद्रों पर कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण, उसके पृथक्करण और फिर उसे उपयोगी खाद में परिवर्तित करने के भव्य दावे किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से कोसों दूर है। मोरना ब्लॉक का यह मामला कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ढांचे की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रनिर्माण के सपनों को तोड़ रहा है। स्वच्छ भारत मिशन जैसी एक पवित्र और जनकल्याणकारी योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया जाना, देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के विश्वास के साथ एक गंभीर खिलवाड़ है। अगर समय रहते इस गहरे जमे हुए भ्रष्टाचार के जाल को नहीं काटा गया और दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी गई, तो स्वच्छ भारत का सपना सदा के लिए धूमिल होकर रह जाएगा।

पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट का आरोप लगाया

चरथावल, 26 नवम्बर (बु.)। थाना क्षेत्र के ग्राम मुथरा में एक विधवा बुजुर्ग महिला ने अपने पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट का आरोप लगाया है। महिला ने चरथावल थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। श्यामो पत्नी तेल्लू

नामक इस बुजुर्ग महिला ने पुलिस को दिए शिकायती-पत्र में बताया कि उसके पुत्र प्रदीप और पुत्रवधू ने उसके साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि उसे घर से भी निकाल दिया गया है। चरथावल प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया ने बताया कि महिला ने अपने पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया है और आगे की जांच-पड़ताल की जा रही है।

एसआईआर के कारण परिषदीय स्कूलों की परीक्षाएं 10 से 15 दिसंबर तक

लखनऊ, 26 नवम्बर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शिक्षकों की तैनाती के कारण प्रदेश में परिषदीय स्कूलों में होने वालीं अर्धवार्षिक परीक्षाओं को टाल दिया गया है। अब परीक्षाओं का आयोजन 10 से 15 दिसंबर के बीच होगा। बता दें कि पूर्व में परिषदीय स्कूलों में अर्धवार्षिक परीक्षा 28 नवंबर से तीन दिसंबर के बीच होनी थी, पर अब नई तारीखों का एलान कर दिया गया है। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए एसआईआर किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों की तैनाती की गई है। ऐसे में शिक्षकों की उपलब्धता न होने के कारण यह निर्णय लिया गया है।

प्रदूषण से बढ़ गए सांसों के मरीज

आठ दिन से एक्यूआई रेड जोन में: बुधवार को रहा 322

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। प्रदूषण के चलते शहर की बिगड़ी आबो हवा में सांस के पीड़ित बढ़ रहे हैं। जिला चिकित्सालय समेत तमाम नर्सिंग होम और चिकित्सकों के पास बड़ी तादाद में श्वांस रोगी पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी के साथ वार्डों में भी सांस रोगियों को भर्ती किया जा रहा है। नगर में एक सप्ताह से अधिक समय से एक्यूआई तीन सौ से ऊपर रेड जोन में चल रहा है। नगर में आज भी एक्यूआई 322 पर दर्ज किया गया। मौसम में बदलाव के साथ प्रदूषण की स्थिति दोहरी मार कर रही है। विगत आठ दिनों से शहर में एक्यूआई 300 से 400 के बीच चलने के साथ जिला रेड जोन में चल रहा है। जाहिर है कि यह स्थिति सांसों पर भारी पड़ रही है। सांसों के साथ आंखों में जलन जैसी स्थिति से भी लोग परेशान हैं। सुबह के समय कोहरे की स्थिति और वातावरण के बोलि होने के साथ धूल और धुएं को बाहर निकलने का मौका ना मिलने से प्रदूषण की स्थिति पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। इसके चलते लोगों की सांसों पर खतरा बढ़ रहा है। जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. योगेंद्र तिरखा का कहना है कि जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन औसतन तीन सौ से चार सौ तक ओपीडी आ रही हैं। इनमें श्वांस रोगियों की तादाद बढ़ रही है। प्रतिदिन पचास श्वांस रोगी जिला चिकित्सालय में पहुंच रहे हैं और इनमें से आधे ऐसी स्थिति में होते हैं कि उन्हें भर्ती कराने की स्थिति पैदा हो जाती है। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में धूल की स्थिति से बचें, जरूरत हो तो मास्क पहनें, सुबह शाम खास तौर से सावधानी रखें, एयर फिल्टर का प्रयोग करें तथा जरूरी दवाएं लें। खास तौर से बच्चों और बुजुर्गों को लेकर खास सावधानी रखने की जरूरी है।

बीएलओ का पारिश्रमिक दोगुना

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसी)। आयोग ने बीएलओ के वार्षिक पारिश्रमिक को दोगुना करने और मतदाता सूचियों की तैयारी एवं पुनरीक्षण में शामिल बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि करने का निर्णय लिया है। पिछला ऐसा संशोधन वर्ष 2015 में किया गया था। साथ ही, पहली बार ईआरओ और एईआरओ के लिए मानदेय प्रदान किया गया है। बूथ लेवल अधिकारी का मानदेय 6 हजार रुपये से संशोधित कर 12 हजार रुपये, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए बीएलओ की प्रोत्साहन राशि 1000 रुपये से बढ़ाकर 2 हजार रुपये, बीएलओ पर्यवेक्षक का मानदेय 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये, एईआरओ का मानदेय शून्य से 25 हजार रुपये एवं ईआरओ का मानदेय शून्य से बढ़ाकर 30 हजार रुपये किया गया है। इसके अलावा, आयोग ने बिहार से प्रारंभ होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ हेतु 6 हजार रुपये के विशेष प्रोत्साहन को भी मंजूरी दी थी। यह निर्णय निर्वाचन आयोग की उन चुनाव कर्मियों को पर्याप्त मुआवजा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो सटीक मतदाता सूची बनाए रखने, मतदाताओं की सहायता करने और चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए क्षेत्र स्तर पर अथक परिश्रम करते हैं।

नेहा सिंह राठौर की गिरफ्तारी की फैली अफवाह

मैनपुरी, 26 नवंबर (एजेंसी)। कोर्ट में चल रहे एक मामले में हाजिर न होने पर बुधवार को भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर की मैनपुरी में गिरफ्तारी की अफवाह पूरे दिन फैली रही। अधिकारियों के पास नेहा सिंह की गिरफ्तारी की चर्चा पहुंची तो उन्होंने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया।

ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई, ई-रिक्शा चालक की टांग टूटी

बुढ़ाना, 26 नवम्बर (बु.)। बहुत तेज गति से चल रही एक ई-रिक्शा का अचानक से हैंडिल टूटने पर ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई, जिसमें ई-रिक्शा चालक की टांग टूट गयी। मिली जानकारी के अनुसार करीब 60 वर्षीय जितेंद्र सिंह निवासी गांव कुरथल ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा है। आज बुधवार की देर सायं लगभग छह बजे जब वह मजदूरी पूरी करने के बाद खाली ई-रिक्शा लेकर अपने घर जा रहा था तो अचानक से गांव बिटावदा के पास मेरठ वाया-करनाल हाइवे पर तेज रफ्तार ई रिक्शा का हैंडिल टूट गया तो ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें ई-रिक्शा कच्चे रास्ते पर उतरकर पलट गया, जिसमें चालक जितेंद्र की टांग टूट गयी। मौके पर आए कुछ लोगों ने घायल ई-रिक्शा चालक जितेंद्र सिंह को बुढ़ाना कस्बे के एक निजी हॉस्पिटल में पहुंचाया। घटना की सूचना परिजनों और बुढ़ाना पुलिस को भी मिल गयी थी। यह तो गनीमत रही कि ई-रिक्शा में दुर्घटना के समय कोई भी सवारी नहीं थी और ई-रिक्शा भी कच्चे रास्ते में उतर गयी थी, नहीं तो कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था।

पड़ोसी पर अवैध कब्जा करने और निर्माण कार्य करने का आरोप लगाया

चरथावल, 26 नवम्बर (बु.)। कस्बे में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी पर अवैध कब्जा करने और निर्माण कार्य करने का आरोप लगाया है। चरथावल निवासी शिवकुमार पुत्र बलजीत सिंह ने थाने पहुंचकर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच

पड़ताल शुरू कर दी है। शिवकुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके मकान पर आने-जाने वाले रास्ते पर उसके पड़ोसी ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया है। आरोप है कि पड़ोसी उस रास्ते पर अवैध निर्माण भी कर रहा है, जब शिवकुमार ने इसका विरोध किया, तो पड़ोसी मारपीट और गाली-गलौच पर उतारू हो गया। चरथावल प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दया ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाने में पड़ोसी पर अवैध कब्जा और निर्माण का आरोप लगाते हुए शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पुलिस टीम भेजकर जांच पड़ताल की जा रही है।

अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए सौंपा सांसद को ज्ञापन, हाईकोर्ट बेंच स्थापना की मांग को संसद में उठाएंगे: चंदन

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता बीते 50 वर्षों से लगातार आन्दोलन करते आ रहे हैं। बुधवार को शहर के सभी अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर सांसद चन्दन चौहान को कचहरी परिसर स्थित बाबू श्याम सिंह द्वारा पर ज्ञापन सौंपा। बुधवार को कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन व सिविल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने बाबू श्याम सिंह द्वार पर एकत्र होकर हाईकोर्ट बेंच स्थापना की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ठा. कंवरपाल सिंह ने कहा कि बीते 50 वर्षों से वेस्ट यूपी के तमाम अधिवक्ता हाईकोर्ट बेंच की मांग करते आ रहे हैं, जबकि अभी तक वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट न होने से अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एसोसिएशन के महासचिव चन्द्रवीर निर्वाल ने कहा कि हाईकोर्ट बेंच स्थापना केन्द्रीय संघर्ष समिति जो कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 22 जनपदों एवं तहसील बार एसोसिएशन का नेतृत्व करती है। वेस्ट यूपी की आम जनता को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय दिलाने के लिए वेस्ट यूपी की विभिन्न तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ता 5 दशकों से आन्दोलनरत हैं, जिसके अनुपालन में समय-समय पर अधिवक्ताओं द्वारा जेल भरो आन्दोलन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश बन्द, पैदल मार्च, जिले के मुख्य चौराहे पर जनसभा का आयोजन, कैंडल मार्च, राजनेताओं का घेराव जैसे उग्र आन्दोलन किये जाते रहे हैं। उक्त आन्दोलन में तमाम राजनैतिक, गैर राजनैतिक, व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ आमजन आन्दोलनरत रही हैं, जिसमें आपने भी समय-समय पर महत्वपूर्ण सहयोग दिया है तथा आपने संसद समेत हर मंच पर उक्त न्यायोचित मांग को पुरजोर तरीके से रखा है, जिसके लिए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मुजफ्फरनगर के सभी अधिवक्ता आपके कृतज्ञ हैं तथा आशा है कि भविष्य में भी आपके द्वारा उक्त मांग में सहयोग व समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने सांसद से अनुरोध किया कि शीतकालीन संसद सत्र के दौरान हाथों में पट्टी, स्लोगन व सवाल पूछकर पुरजोर तरीके से उठाने का कष्ट करें, ताकि वेस्ट यूपी में शीघ्र हाईकोर्ट बेंच की स्थापना हो सके और आमजन को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्राप्त हो सकें। उधर, सांसद चंदन चौहान ने अधिवक्ताओं को विश्वास दिलाया कि वह संसद के शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से इस मांग को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पांच मंडलों के सभी 22 जिलों के सांसदों से वार्ता कर संसद में इस मांग को पुरजोर तरीके से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता स्व. संजय चौहान द्वारा पूर्व में संसद में उठाई अधिवक्ताओं की इस हाईकोर्ट बेंच की मांग को वह और अधिक ताकत से उठाएंगे। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष अनिल जिन्दल, पूर्व महासचिव जितेन्द्र कुमार, सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील मित्तल, महासचिव राज सिंह रावत, वरिष्ठ अधिवक्ता नेत्रपाल सिंह, चन्द्रमणि शर्मा, प्रदीप मलिक, प्रवीण गुड्डू, नगेन्द्र, विरेन्द्र बालियान, राकेश मौर्य, मोहतसिब सन्नी, अमित कुमार, ताहिर राव, राशिद चौधरी, गौरव चौधरी, आदर्श सिंह, शिवम बालियान, नाहिदा परवीन, कमरूना गौर आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर खाकी ने ली एकता अखंडता की शपथ

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। संविधान दिवस के अवसर पर एसएसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन तथा पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा पुलिस कार्यालय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराने के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। संविधान दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाईन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया गया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता व संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान पूर्ण रूप से तैयार होकर स्वीकृत किया गया था। इस ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य नागरिकों एवं सरकारी संस्थानों में संवैधानिक आदर्शों, कर्तव्यों व मूल्यों के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाना है। पुलिस द्वारा संविधान में निहित आदर्शों के अनुरूप कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने हेतु प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, सहायक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के. मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक ऊदल सिंह भी मौजूद रहे। पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया गया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता व संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। पुलिस द्वारा संविधान में निहित आदर्शों के अनुरूप कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने हेतु प्रतिबद्धता दोहराई गई।

पुलिस द्वारा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 03 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस एक्ट, 1985 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में तीन दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान, जिले के सभी थानों के विवेचकों और संबंधित अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में उच्च गुणवत्ता की विवेचना, साक्ष्य संकलन और प्रभावी अभियोजन हेतु गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर अपराध है, जो समाज और खासकर युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। उन्होंने विवेचकों को निर्देश दिए कि वे एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पूर्ण ज्ञान रखें और तकनीकी तथा वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मजबूती से केस तैयार करें, ताकि अपराधियों को अधिकतम सजा मिल सके। कार्यशाला में विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा व्याख्यान दिए गए। उन्होंने केस डायरी लिखने के सही तरीके, इलेक्ट्रॉनिक और फोरेंसिक साक्ष्यों को एकत्रित करने की प्रक्रिया, धारा 50 (तलाशी प्रक्रिया) और धारा 57 (गिरफ्तारी व जब्ती की सूचना) के अनिवार्य अनुपालन, तथा कानूनी पेचीदगियों पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि विवेचना के दौरान कोई भी कानूनी खामी न रहे, जिसका लाभ अपराधी न्यायालय में उठा सकें। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने निर्देश दिया कि पुलिस यह सुनिश्चित करे कि सभी एनडीपीएस मामलों में प्रभावी अभियोजन किया जाए। इसके लिए, पुलिस और अभियोजन पक्ष के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया, ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके और जिले को ड्रग्स मुक्त बनाया जा सके। कार्यशाला में भाग लेने वाले अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण को विवेचना की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सांसद को बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

जानसठ, 26 नवम्बर (बु.)। बार एसोसिएशन जानसठ के अध्यक्ष शशी सैनी ने पश्चिम उप्र प्रदेश में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर बिजनौर के सांसद चंदन सिंह चौहान को उनके मुजफ्फरनगर आवास पर ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा सांसद हरेंद्र मलिक के दिल्ली होने पर उनके व्हाट्सएप पर ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि पश्चिमी उप्र के समस्त अधिवक्तागण वर्ष 1981 से हाईकोर्ट बेंच की स्थापना हेतु संघर्षरत है। इस बीच जितनी भी सरकारें आई सभी ने अधिवक्ताओं की उक्त मांग को न केवल सही बताया बल्कि सस्ता एवं सुलभ न्याय के लिए हाईकोर्ट बेंच स्थापित किया जाना आवश्यक भी बताया, लेकिन आज तक किसी भी सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आपसे तहसील बार संघ जानसठ के समस्त अधिवक्ताओं द्वारा निवेदन किया जाता है कि पश्चिमी उप्र में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना हेतु ससंद के आगामी शीत कालीन सत्र में जोरदार मांग उठाएं और हाई कोर्ट बेंच की स्थापना का प्रस्ताव पारित कराएं।

कैंसर विशेषज्ञ डॉ. तृप्ति सक्सेना की ओपीडी आज

मुजफ़्फ़रनगर, 26 नवंबर (बुस.)। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटपड़गंज की कैंसर विशेषज्ञ डॉ. तृप्ति सक्सेना आज दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आनंद मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, भोपा रोड में मरीजों को परामर्श देंगी। यह ओपीडी उन मरीजों के लिए खास मददगार साबित होगी, जो कैंसर से जुड़े शुरूआती लक्षणों—जैसे थकान, वजन घटना या बढ़ना, सूजन या गांठ का उभरना, या असामान्य रक्तस्राव—से परेशान हैं। ओपीडी स्लॉट बुकिंग के लिए नंबर 8218149646 जारी किया गया है।

सीओ ने मस्जिद में रुकी तबलीगी जमात को वापस भेजने के निर्देश दिए

– सीओ ने मीरापुर की दो मस्जिदों का निरीक्षण किया

मीरापुर, 26 नवम्बर (बु.)। सीओ जानसठ ने मीरापुर की दो मस्जिदों का निरीक्षण कर अन्य जनपदों व दूसरे राज्यों से आयी जमात के बारे में जानकारी की। सीओ ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात कर मस्जिद में रुकी तबलीगी जमात को वापिस भेजने के निर्देश दिए। मंगलवार की देर रात्रि सीओ जानसठ यतेन्द्र सिंह नागर ने पुलिसफोर्स के साथ कस्बे में बस स्टैंड के समीप स्थित अबूबकर मस्जिद में तबलीगी जमात रुके होने की जानकारी पर मस्जिद का निरीक्षण किया तथा यहाँ मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ वार्ता कर बंगलौर से आई तबलीगी जमात के बारे में जानकारी ली, तो यहाँ मौजूद लोगों ने बताया कि यहाँ ठहरी तबलीगी जमात मेवातियान मस्जिद में चली गई है, जिसके बाद सीओ यतेन्द्र नागर मेवातियान मस्जिद पहुँचे और यहाँ का निरीक्षण किया। इस दौरान सीओ ने तबलीगी जमात में शामिल जमातियों से वार्ता की और उन्हें अवगत कराया कि दिल्ली में लाल किले पर हुई बम विस्फोट की घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे राज्यों व जनपदों से अन्य राज्यों व जनपदों में जाने वाली जमात पर रोक लगाई गई हैं। उन्होंने यहाँ मौजूद मुस्लिम समाज के जिम्मेदार लोगों से अपील की कि यदि कोई भी जमात किसी मस्जिद में आई हुई है, तो उसे वापस भेज दें। उन्होंने मुस्लिम समाज के धर्म गुरुओं से अपील की कि कोई भी मुस्लिम धर्म गुरु अपने यहां की मस्जिद में किसी बाहरी व्यक्ति को शरण नहीं देगा। सीओ ने कस्बे व क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे राज्य या जनपद के किसी भी व्यक्ति को पुलिस सत्यापन के बिना अपना मकान किराए पर ना दें। उन्होंने अपील की कि यदि क्षेत्र के किसी गांव या कस्बे में कोई बाहरी व्यक्ति रहता है, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। सीओ के निर्देश के बाद बुधवार को तबलीगी जमात यहाँ से चली गई।

संघ के मीरापुर के प्रथम स्वयं सेवक व लोकतंत्र सेनानी सत्य प्रकाश शर्मा का निधन

– जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा कार्यकर्ताओं व संघ कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

मीरापुर, 26 नवम्बर (बु.)। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मीरापुर के प्रथम स्वयं सेवक व लोकतंत्र सेनानी सत्य प्रकाश शर्मा (106) का बुधवार की सुबह निधन हो गया। संघ कार्यकर्ताओं व भाजपा कार्यकर्ताओं ने बैण्ड बाजे के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल समेत सैकड़ों लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। मीरापुर कस्बे के मौहल्ला कबूलपुरा निवासी लोकतंत्र सेनानी पं. सत्यप्रकाश शर्मा का 106 वर्ष की आयु में बुधवार की अलसुबह गाजियाबाद में अपने बड़े पुत्र पं. पुरुषोत्तम शर्मा के आवास पर निधन हो गया। पं. सत्यप्रकाश शर्मा वर्ष 1945 में मीरापुर कस्बे के प्रथम संघ कार्यकर्ता बने थे। उन्होंने ही वर्ष 1945 में मीरापुर में संघ की प्रथम शाखा शुरू की थी। मीरापुर में संघ को विराट रूप देने में उनका बड़ा योगदान रहा। पं. सत्यप्रकाश शर्मा वर्ष 1975 में आपातकाल में 22 महीने मुजफ्फरनगर, बनारस व नैनी जेल में रहे थे। बाद में उन्हें व उनके साथियों को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा मिला था। उनके निधन की सूचना पर क्षेत्र में शोक छा गया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण शर्मा, पं. रामकुमार शर्मा, पूर्व चेयरमैन नवीन सैनी, राजेन्द्र रस्तौगी, लाला ब्रजभूषण अग्रवाल, भाजपा जिला प्रतिनिधि अभिषेक गर्ग, मण्डल अध्यक्ष सचिन ठाकुर, ब्राह्मण सभा अध्यक्ष विकास कौशिक, समाजसेवी लाला मोहनलाल संगल, अनिरुद्ध शारदा, रूप सिंह प्रजापति, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रद्युम्न शर्मा व संघ से दिनेश माहेश्वरी, हरीश नारंग, सतीश गंगपुरी, प्रवीण अग्रवाल समेत सैकड़ों लोग उनके कनिष्ठ पुत्र पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष पं. मूलचंद शर्मा के पड़ाव चौक स्थित आवास पर पहुँच गए। दोपहर में करीब 12-30 बजे उनका पार्थिव शरीर उनके पुत्र के आवास पर पहुँचा। यहाँ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल समेत सैकड़ों लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके अंतिम दर्शन किये। इसके बाद भाजपाइयों ने भाजपा के ध्वज में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बैंड बाजे के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान संघ के सरस्वती शिशु विधा मंदिर स्कूल के बच्चों ने अपने बैंड से उन्हें सलामी दी। बाद में गंगा बैराज पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके ज्येष्ठ पुत्र पं. पुरुषोत्तम शर्मा ने उनके पार्थिक शरीर को मुखाग्नि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में वरिष्ठ भाजपा नेता स. सेवा सिंह, राजस्व निरीक्षक संजीव शर्मा, लेखपाल ओमबीर सिंह, रूपेश गुप्ता, परमानन्द शर्मा, विकास शर्मा, मोहन सैनी, संजय सैनी, अमित राजवंशी, शशिकांत रस्तौगी, प्रियकांत रस्तौगी, आदित्य शर्मा, संजय शर्मा, मोहित कौशिक आदि शामिल रहे।

एमजी वर्ल्ड विजन विद्यालय में संविधान दिवस पर छात्रों ने प्रस्तुत किया जागरूकता से भरा नुक्कड़ नाटक

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बुस.)। एमजी वर्ल्ड विजन विद्यालय में आज संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा-8 के विद्यार्थियों द्वारा लोकतंत्र, अधिकारों और कर्तव्यों पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। छात्रों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संविधान की महत्ता, नागरिक दायित्वों तथा देश के प्रति जागरूक होने का संदेश बेहद रोचक ढंग से दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मृणालिनी अनंत ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा है, जो हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्रों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें सदैव जिम्मेदार, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बनने का संदेश दिया।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर, (बु.)। मुजफ्फरनगर सर्राफा बाजार के भाव इस प्रकार रहे:-

सोना-	127500	चांदी-	161700
सिक्का-	1805	गिन्नी-	94630

आपका आज का राशिफल

बृहस्पतिवार, 27 नवम्बर, 2025

मेष- समस्याओं का संतोषजनक समाधान, स्वाध्याय की ओर रुझान, राजनैतिक क्रियाकलापों में संलग्नता, आवागमन में अनुकूलता, बकाए धन की प्राप्ति।

वृषभ- आ्थक व्यावसायिक पक्ष में निराशा, महत्वपूर्ण उपलब्धि में व्यवधान, मानसिक अशांति, वाहन से चोट-चपेट, दुर्घटना की आशंका, प्रतिष्ठा पर आघात।

मिथुन- बुद्धि-चातुर्य से कुछेक मसले हल, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, परोपकार की भावना जागृत, वैमनस्यता का समापन, विवाद समापन की ओर, भौतिक सुख।

कर्क- ग्रहयोग बेहतर, दाम्पत्य जीवन में उपस्थित व्यवधान समाप्त, नवसमाचार की प्राप्ति से खुशी, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, यात्रा सफल, कार्यक्षमता में वृद्धि।

सिंह- चिरवांछित कार्य बनने से खुशी, व्यक्तित्व का विकास, बुद्धि-चातुर्य से संकल्प सिद्धि, सामाजिक कृत्यों में अभिरुचि, जीवन साथी से सहयोग, शांति।

कन्या- समय अशुभ, शारीरिक सुख में कमी, साझेदारी के व्यापार में हानि, आरोप प्रत्यारोप की स्थिति, शत्रु प्रभावी होने की दिशा में प्रयासरत, यात्रा में कष्ट।

तुला- लाभ का सुयोग, आ्थक स्थिति में सुधार, पराक्रम में वृद्धि, वैवाहिक अड़चनों का समापन, घरेलू समस्याएं सुलझने की ओर, नवसमाचार की प्राप्ति।

वृश्चिक- योजना साकार होने की ओर, समझदारी से लिया गया निर्णय हितकर, मनोवांछित सफलता का सुयोग, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, अध्यात्म आस्था।

धनु- भाग्योदय का मार्ग प्रशस्त, नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल होने की ओर, उल्लासमय वातावरण, सुख के जरूरी साधन सुलभ, धा्मक गतिविधियों में रुचि।

मकर- व्यवधान से अशांति, व्यवसायिक असफलता, भौतिक सुख के साधन में कमी, स्वाध्याय के प्रति अरुचि, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में, विवाद से अशांति।

कुम्भ- कठिनाइयों का निराकरण, सद्विचारों से आत्मिक शांति, उत्तरदायित्व का निर्वाह, अपने स्तर को बनाये रखने में अधिक व्यय, परिवार में मंगलकृत्य सम्पन्न।

मीन- चिरवांछित कार्यों में सफलता, दूसरों की सलाह से कामयाबी, प्रभावशाली हस्तियों से अपेक्षित सहयोग, कुछेक मसला सुलझने की ओर, धनागम का सुयोग।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।

सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2025

सम्पादक की कलम से

संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता

भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है, जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ। कल 26 नवम्बर को देशभर में संविधान दिवस मनाया गया। राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री ने संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता की बात की। संविधान 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। 26 नवम्बर भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम 1935 को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतान्त्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद जुलाई 1945 में ब्रिटेन ने भारत संबन्धी अपनी नई नीति की घोषणा की तथा भारत की संविधान सभा के निर्माण के लिए एक कैबिनेट मिशन भारत भेजा, जिसमें 3 मंत्री थे। 15 अगस्त 1947 को भारत के स्वतन्त्र हो जाने के पश्चात संविधान सभा की घोषणा हुई और इसने अपना कार्य 9 दिसम्बर 1947 से आरम्भ कर दिया। संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा चुने गए थे। जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। इस संविधान सभा ने 2 वर्ष, 11 माह,18 दिन में कुल 144 दिन चर्चा की। संविधान सभा ने कुल 12 अधिवेशन किए तथा अंतिम दिन 284 सदस्यों ने इस पर हस्ताक्षर किए और संविधान बनने में 166 दिन बैठक की गई, इसकी बैठकों में प्रेस और जनता को भाग लेने की स्वतन्त्रता थी। भारत के संविधान के निर्माण में संविधान सभा के सभी 389 सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने पारित किया और इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। संविधान दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारे संविधान-निर्माता की यही चाहते थे कि निजी और लोकतान्त्रिक अधिकार हमेशा सुरक्षित रहें। हमारा संविधान औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज है। वहीं उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें विकसित भारत के लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए। कल संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया और कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। उन्होंने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। इस पत्र में पीएम नरेंद्र मोदी ने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। पीएम नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के इस विचार को भी याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियों और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक अलग पोस्ट में लिखा, हमारा संविधान मानवीय गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है। यह हमें अधिकारों से सशक्त बनाता है, साथ ही हमें नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, जिन्हें हमें हमेशा पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। ये कर्तव्य एक मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर, हम अपने संविधान बनाने वालों को श्रद्धांजलि देते हैं। उनका विजन और दूर की सोच हमें एक विकसित भारत बनाने की हमारी कोशिश में मोटिवेट करती रहती है। हमारा संविधान मानवीय गरिमा, बराबरी और आजादी को सबसे ज्यादा अहमियत देता है। यह हमें अधिकार तो देता है, साथ ही हमें नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है, जिन्हें हमें हमेशा पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। ये जिम्मेदारियां एक मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। आइए हम अपने कामों से संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने का अपना वादा दोहराएं! भविष्य को देखते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि इस सदी की शुरुआत के 25 साल बीत चुके हैं और सिर्फ दो दशकों में भारत गुलामी से आजादी के 100 साल पूरे कर लेगा। 2049 में, संविधान को अपनाए हुए एक सदी हो जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज ली गई नीतियां और फैसले आने वाली पीढ़ियों की जिंदगी को आकार देंगे और नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्यों को सबसे पहले अपने दिमाग में रखें, क्योंकि भारत एक 'विकसित भारत' के विजन की ओर बढ़ रहा है। भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। एक संशोधन के प्रस्ताव की शुरूआत संसद में होती है, जहाँ इसे एक बिल के रूप में पेश किया जाता है। भारतीय संविधान में अब तक 105 बार संशोधन किया जा चुका है, जबकि संविधान संशोधन के लिए अब तक 127 बिल लाए जा चुके हैं। संविधान दिवस पर राहुल गांधी ने कहा कि संविधान मात्र किताब नहीं, यह हर नागरिक से किया गया पवित्र वादा है। उन्होंने कहा कि संविधान सुरक्षित रहेगा, तो अधिकार भी सुरक्षित रहेंगे। संविधान दिवस पर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए सुनियोजित तरीके से संविधान के सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं को कमजोर कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वह संविधान पर होने वाले हर प्रहार के सामने सबसे पहले खड़े रहेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अगर हमारा संविधान का अक्षरशः पालन किया जाए, तो भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाएगा। बिरला ने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना हमारा सामूहिक लक्ष्य है और यह लक्ष्य तभी प्राप्त होगा, जब हम संविधान के मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करेंगे। बिरला ने कहा कि अगर हम संविधान का अक्षरशः पालन करेंगे, तो हम भावी पीढ़ियों के लिए एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे, जो विकास, न्याय, एकता, मैत्री और मानवता का उदाहरण होगा। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो प्रत्येक नागरिक की आवश्यकताओं का ध्यान रखता है और इसमें निहित सिद्धांतों का पालन करना हमारा कर्तव्य है।

चार तीर

सुनील उत्सव

'राजनेता' 'अंदाज' 'नादान' 'रोज'

झूटे हैं राजनेता वो चिकने घड़े भी हैं,
बातों को उनकी टाल दे, अंदाज पर न जा।
इनको तो बोलना है यूँ ही रोज बेसबब,
नादान अहमकों के तू अंदाज पर न जा।

भरत जी का चरित्र गंगाजल की तरह पवित्रः विजय कौशल

- दशरथ मरण का प्रसंग सुनकर श्रद्धालुओं की आँखें हुई नम - श्रीराम के भजनों की धुन पर कई बार श्रद्धालु उठकर नाचे

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। नई मंडी रामलीला भवन में चल रही श्रीराम कथा के 5वें दिन कथा व्यास विजय कौशल जी महाराज ने श्रीराम के वनगमन के बाद अयोध्या में छाए शोक, वन गमन में श्रीराम के साथ गए सुमंत्र जी की अयोध्या वापसी, दशरथ जी का राम वियोग में महाप्रयाण, ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न जी की अयोध्या में वापसी और चित्रकूट में श्रीराम और भरत के मिलन के लिए, पूरी अयोध्या के प्रस्थान का प्रसंग भावपूर्ण ढंग से सुनाया। दशरथ मरण के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालुओं की आँखें नम हो गई। श्रीरामलीला भवन में कंसल परिवार द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के श्रद्धालुओं से खचाखच भरे हुए पंडाल में संत प्रवर विजय कौशल जी महाराज ने कहा कि श्रीराम के वन गमन के बाद अयोध्या तो पहले ही उजाड़ हो गई, जहां श्रीराम के लिए भरत वहीं अवधपुरी। ऐसे में जिस अयोध्या में सदा उत्सव और मंगल कार्य होते रहते थे, वह पूरी तरह उदास व उजाड़ हो गई। गंगा तट पर सुमंत्र जी को निषादराज गुह ने समझा-बुझाकर वापस अयोध्या भेजा। कथा व्यास ने जब सुमंत्र जी के वापस आने पर श्रीराम के वियोग में दशरथ जी के शोक और विलाप का वर्णन किया तो उस समय अनेक श्रद्धालु अपनी आँखों में आए आँसू पोंछते हुए दिखाई दिए। कैकेय देश से अभी ननिहाल गए भरत को अपशकुन होने के चलते हुई आशंकाओं का वर्णन करते हुए कथा व्यास विजय कौशल महाराज ने कहा कि इधर भरत जी मन में आशंकाओं के लिए भगवान शिव की प्रार्थना कर रहे हैं। उधर, अयोध्या का दूत उन्हें बुलाने के लिए पहुँच जाता है। भरत जी की अयोध्या वापसी और भगवान राम के वनगमन एवं राजा दशरथ के परलोक गमन की सूचना मिलने के बाद भरत जी की मनः स्थिति का वर्णन करते हुए संत प्रवर ने कहा कि भरत का भाई के रूप में जो चरित्र है वह गंगा जल की तरह पवित्र है। संपूर्ण प्रजा चाहती थी कि राजा दशरथ की इच्छानुसार भरत जी को अयोध्या का राजा बनाया जाए। महर्षि वशिष्ठ ने भी भरत जी पर अयोध्या का राज संभालने का दबाव डाला। माता कौशल्या ने भी मनाया लेकिन भरत जी तैयार नहीं हुए और श्रीराम को चित्रकूट से लाने के लिए प्रस्थान करने की घोषणा की जिस पर संपूर्ण अयोध्या नगरी के लोग उनके साथ चलने के लिए तैयार हुए। अयोध्या से चित्रकूट यात्रा का कथा व्यास ने बहुत ही भावपूर्ण वर्णन किया। इस दौरान भरत जी के मन में श्रीराम के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करते हुए संगीतमय भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भी श्रीराम भक्ति में सराबोर होकर जमकर नाचे। कथा में मुख्य रूप से मंत्री कपिल देव अग्रवाल, आरएसएस के क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख आनंद जी, सह प्रांत कार्यवाह सेवादास जी, विभाग प्रचारक भूपेंद्र कुमार जी, वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप गर्ग, पूर्व चेयरमैन डॉ. सुभाष शर्मा, मा. विजय सिंह, राजेंद्र गर्ग, नरेश गर्ग, सुरेश कुमार, रामावतार, विजय मोहन, अशोक कुमार, अतुल कुमार, नानूराम जिंदल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, राकेश बिंदल, दिनेश मोहन, संजय मित्तल, राकेश अग्रवाल, शिवचरण गर्ग, दिनेश गुल्लू जी, कमल कुमार, सुशील भाटिया, मुकेश चावला, ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी, गिरिराज महेश्वरी, अरुण खंडेलवाल, डॉ. एमएल गर्ग, अजय जैन सीए, मनोज पुंडीर, संजय शर्मा, ओमदेव सिंह, अनिल गर्ग आदि उपस्थित रहे।

एसआईआर को प्रभावी व गति प्रदान करने को मंथन

- मंत्री कपिल देव ने दिए भाजपा कार्यकर्ताओं को जरुरी टिप्स

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। मेरठ रोड स्थित डाक बंगले पर आयोजित कार्यक्रम में एसआईआर को और भी अधिक प्रभावी व गति प्रदान करने के उद्देश्य से पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंत्री कपिल देव ने समीक्षा बैठक की। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, कार्ययोजना की रूप रेखा, बूथ स्तर तक कार्य की प्रगति व जनसंपर्क को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। एसआईआर फॉर्म भरना अत्यंत जरुरी है, ताकि कोई भी योग्य नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे घर-घर संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें और समयबद्ध रूप से फॉर्म भरवाने का कार्य सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में एसआईआर कार्यक्रम के लिए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गई तथा अभियान को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की स्थिति से मंत्री कपिल देव को अवगत कराया और महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। मंत्री कपिल देव ने सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से ही एसआईआर अभियान को सफल बनाया जा सकता है। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र के महायज्ञ में हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो। इस दौरान संजय गर्ग, शरद शर्मा, देशबंधु तोमर, रोहतास पाल, मंडल अध्यक्ष प्रवीण खेड़ा, अमित शास्त्री, दीपक मित्तल, नन्द किशोर पाल, रोहित तायल, शलभ गुप्ता, आदेश गौतम, अमन तोमर, विशाल गर्ग, नमिष चंदेल आदि मौजूद रहे।

अहमदाबाद करेगा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स को होस्ट, 20 साल बाद मिली मेजबानी

अहमदाबाद, 26 नवम्बर (एजेंसी)। भारत 20 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में कॉमनवेल्थ गेम्स की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, ह्ययह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरूआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम कॉमनवेल्थ गेम्स के अगले शतक की शुरूआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है। भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी।

संविधान दिवस पर अफसरों-कर्मियों ने दोहराया संकल्प

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। संविधान दिवस पर देश भर में आम-ओ-खास ने भारत के संविधान उद्देशिका एवं शपथ को दोहराते हुए देश की एकता, अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान थीम के तहत कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला पंचायत सभागार में सामूहिक प्रस्तावना का वाचन आयोजित किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व डीएम उमेश मिश्रा द्वारा किया गया। कलेक्ट्रेट के अलावा विकास भवन, विभिन्न विद्यालयों समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में संविधान का संकल्प दोहराया। जिला पंचायत सभागार में संपन्न कार्यक्रम में डीएम उमेश मिश्रा ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाने के साथ संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संविधान हमारा मार्गदर्शक है और यह नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। कार्यक्रम में एडीएम राजस्व गजेंद्र कुमार, एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह, एडीएम न्यायिक समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। इस दौरान सभी अनुभागों के अधिकारी, कर्मी, पुलिसकर्मी व स्टाफ मौजूद रहे। उधर, सीएमओ कार्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान थीम के तहत सामूहिक प्रस्तावना का वाचन आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया और संवैधानिक मूल्यों के पालन का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारा मार्गदर्शक है और यह नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का स्मरण कराता है। इस कार्यक्रम में सभी अनुभागों के अधिकारी, कर्मचारी, स्वास्थ्य कर्मी एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बीजेपी कार्यालय के टाइपिस्ट की बेटी की शादी में पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह, पेश की अनोखी मिसाल

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। बीजेपी मुख्यालय पर पिछले 29 सालों से टाइपिस्ट का काम कर रहे रामधन की बेटी की शादी में खुद गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। अपनी तमाम व्यस्तताओं के बीच शाह ने रामधन की बेटी की शादी के रिसेप्शन में जाने का समय निकाला। बीजेपी हमेशा ये कहती रही है कि वो राजनीतिक दल कम, एक परिवार अधिक हैं। अमित शाह 23 नवंबर शाम को दिल्ली के द्वारका में रिसेप्शन में पहुंचे। वे वहां करीब दस मिनट तक रहे। परिवारवालों ने उनके साथ फोटो खिंचवाए। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी राम धन पिछले करीब तीन दशकों से बीजेपी मुख्यालय पर टाइपिस्ट का काम कर रहे हैं। वे पार्टी के लोक सभा, राज्य सभा, विधानसभा और विधान परिषद के उम्मीदवारों के नाम वाली सूची तैयार करते हैं। यह बहुत गोपनीय और विश्वसनीयता का काम है। एक नाम भी इधर से उधर नहीं होना चाहिए। वे बीजेपी के कई अध्यक्षों के साथ नजदीकी से काम कर चुके हैं। अमित शाह के अध्यक्ष रहते हुए भी रामधन को उनके साथ काम करने का मौका मिला था। पिछले साल उनके बेटे की शादी में भी बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बीजेपी मुख्यालय के कर्मचारियों के साथ समय बिता चुके हैं। लोक सभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए दिन-रात एक करने वाले कर्मचारियों से उन्होंने मिल कर जीत की बधाई दी थी। इसके लिए पिछले साल जुलाई में स्नेह मिलन का आयोजन भी किया गया था।

एसडीएम ने शिक्षकों के साथ एसआईआर को लेकर बैठक की

मीरापुर, 26 नवम्बर (बु.)। एसडीएम जानसठ ने कस्बे के एसडी इंटर कॉलेज में अध्यापकों के साथ एसआईआर को लेकर बैठक आयोजित की। बैठक एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बुधवार को एसडीएम जानसठ राजकुमार भारती ने एसडी इंटर कॉलेज में आयोजित बैठक में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है, जिसकी अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि सभी लोग एसआईआर के विषय में लोगों को जागरूक करें और फॉर्म भरने व उन्हें अपडेट करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

उन्होंने अध्यापकों को निर्देश दिए कि अंतिम तिथि से पहले सभी एसआईआर फॉर्म संबंधी कार्यों को पूरा करें व इस प्रक्रिया में सक्रियता से कार्य करें। इस दौरान एसडीएम राजकुमार भारती, नायाब तहसीलदार अजय कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार, प्रधानाचार्य डॉ. विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

किसानों का गुस्सा उबाल पर, किसान मोर्चा ने दिया धरना

- राष्ट्रपति को भेजा 10 सूत्रीय ज्ञापन, एमएसपी लागू करने की मांग

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। किसानों की लंबित मांगों पर केंद्र सरकार की उदासीनता के विरोध में बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भाकियू ने डीएम कार्यालय के धरना दिया। मोर्चा पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपते हुए लंबित मांगों को लागू कराने की मांग की। धरने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 26 नवम्बर 2020 को शुरू हुए ऐतिहासिक किसान आंदोलन की वर्षगांठ पर देशभर के किसान एक बार फिर मजबूरी में सड़क पर उतरने को विवश हुए हैं। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि 9 दिसंबर 2021 को केंद्र सरकार के लिखित आश्वासन जिसमें एमएसपी के तहत कानून लाना शामिल था, वह आज तक लागू नहीं कराया जा सका। किसान आंदोलन की पांचवीं वर्षगाठ के अवसर पर भाकियू टिकैत ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर कलेक्ट्रेट में पहुंच कर दस सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। भाकियू जिलाध्यक्ष नवीन राठी के नेतृत्व में किसान कलेक्ट्रेट में पहुंचे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने कहा कि सभी फसलों के लिए एमएमपी 50 प्रतिशत के साथ गारंटी खरीद हेतु संसद और सभी राज्य विधानसभाओं में तुरंत कानून पारित करें। वहीं सभी ब्लॉकों में सरकारी मंडियां स्थापित कराने, असमय बारिश और खेतों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वर्तमान 17 प्रतिशत की नमी सीमा बढ़ा कर 22 प्रतिशत किए जाने की मांग की। गन्ने का राज्य समर्थन मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल किए जाने और लंबित भुगतान ब्याज सहित कराने की मांग की। वहीं किसानों और कृषि मजदूरों के लिए व्यापक ऋण माफी योजना घोषित करने, सूक्ष्म वित्त संस्थानों द्वारा गरीब किसान, भूमिहीन मजदूर परिवारों से ऊंचे ब्याज की वसूली पर निर्धारण के लिए कानून बनाने, ऋणग्रस्त लोगों के उत्पीड़न पर कानूनी कार्रवाई तय करने, किसानों की ब्याज मुक्त ऋण दिलाने, बिजली बिल को तुरंत वापस लिए जाने की मांग की। श्रमिकों सहित कृषि मजदूरों को 10,000 रुपये मासिक वृद्धावस्था पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान कराने, मनरेगा बजट बढ़ाकर 200 दिन का काम तथा 700 रुपये दैनिक मजदूरी दिलाने की मांग की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नीर पहलवान, श्यामलाल चेयरमैन, अमरजीत सिंह, रूपित सोम, सुमित चौधरी, संजीव राठी, प्रमोद अहलावत, नरेश, संजीव पंवार, देव अहलावत, रमेश मलिक, मोनू, जितेंद्र, योगेश, संजय त्यागी, अनुज राठी, देवकरण चौहान आदि मौजूद रहे।

लंबे समय से गैरहाजिर संविदा कर्मियों का अनुबंध निरस्त

- रोडवेज कर्मियों पर गिरी बड़ी लापरवाही की गाज

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम मुजफ्फरनगर में संविदा के आधार पर कार्यरत चालक, परिचालक और आउटसोर्सिंस कर्मचारियों को कर्तव्यबोध कराते हुए लंबे समय से गैरहाजिर कर्मचारियों पर कार्रवाई की गाज गिरी है। इसके चलते एआरएम मुजफ्फरनगर ने वरिष्ठ केन्द्र प्रभारी की रिपोर्ट के आधार पर 10 संविदा चालकों, दो परिचालकों और आउटसोर्स परिचालकों को जनशक्ति सूची से हटा दिया है। रोडवेज डिपो के एआरएम प्रभात कुमार सिन्हा ने लंबे समय से गैर हाजिर चल रहे परिचालक मुकेश तृतीय व युवराज सिंह के साथ संविदा चालक अभिषेक, मौ. उस्मान, प्रमोद पंचम, सचिन षठम, सौरभ शर्मा, शिवम कुमार, सुनील द्वादश, पवन कुमार, अजय कुमार औश्र विकास का पूर्व में किया अनुबंध निरस्त कर दिया है। इसके अलावा डिपो में बतौर आउससोर्स परिचालक आनन्द सिंह, गौरव कुमार, जय सिंह, मनजीत, पीयूष कुमार, राहुल कुमार, रोहित चतुर्थ, शिवओम शर्मा, उपेन्द्र यादव, विशाल तृतीय, गौतम कुमार व जीशु के गैर हाजिर रहने के साथ रोडवेज बसों के संचालन में होने वाले व्यवधान के कारण सेवाएं समाप्त कर दी हैं और उनका नाम आउटसोर्स जनशक्ति सूची से भी हटा दिया गया है।

निःशुल्क सर्जिकल शिविर

आपको जानकर हर्ष होगा कि आपके शहर मुजफ्फरनगर में दिनांक 28 नवम्बर 2025, दिन शुक्रवार को ज्योति हॉस्पिटल, सरकुलर रोड, पर एक निःशुल्क सर्जिकल कैंप आयोजित किया जा रहा है।

इस कैंप में मुजफ्फरनगर के मशहूर अनुभवी लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर सुनील कुमार गुप्ता एवं डॉक्टर सिद्धार्थ गुप्ता यूरोलॉजिस्ट एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा।

इस कैम्प में

- पित्त की थैली में पथरी, अपेंडिक्स एवं हार्नियां का परामर्श
- गुर्दे की पथरी, गुर्दे की नलकी की पथरी, मसाने की पथरी, मसाने का कैंसर, गदूद की समस्या, पेशाब की नलकी का सिकुड़ना ।
- पेशाब सम्बंधित अन्य रोग, जैसे स्त्रियों में खाँसते व छींकते हुए पेशाब निकल जाना, पेशाब रूक-रूक कर आना, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना, पेशाब की धार कमजोर होना।
- स्तन (Breast) स्त्रियों की छाती से सम्बन्धित रोग जैसे स्तन या बगल में गाँठ होना, निप्पल से खून आना
- स्तन के आकार में बदलाव आना, निप्पल का अंदर की ओर धंसना जैसे रोगों का निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा।
- गुदा संम्बधित रोग जैसे बवासीर, मस्से, भगंदर, नासूर का लेजर द्वारा इलाज

निः शुल्क पी.एस.ए. गदूद के कैंसर की जाँच

ऑपरेशन पर भारी छूट

निःशुल्क यूरोफ्लोमेट्री पेशाब की धार की जाँच

स्थान : ज्योति हॉस्पिटल, सरकुलर रोड, मुजफ्फरनगर

फ्री परामर्श का समय

28 नवम्बर 2025, शुक्रवार प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक

रजिस्ट्रेशन के लिए शीघ्र सम्पर्क करें- 9319993779

रोगियों से अनुरोध है कि वे अपनी जाँच व इलाज सम्बन्धी कागज (यदि हो तो) जरूर लेकर आयें

पुल निर्माण की मांग को लेकर निरगाजनी पहुंचे भाकियू सुप्रीमो राकेश टिकैत

भोपा, 26 नवम्बर (बु.)। क्षेत्र के गांव निरगाजनी में गत कई माह से निरगाजनी झाल के पुल पर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था, जिससे किसानों व राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को खेत पर जाने के लिए कई किलोमीटर लम्बा रास्ता तय करना पड़ रहा है। पुल के निर्माण को लेकर किसान संगठनों द्वारा कई बार धरना प्रदर्शन किया गया है, लेकिन अभी तक पुल का निर्माण नहीं हो सका है। गुरूवार को निरगाजनी झाल पहुंचे भाकियू के राकेश टिकैत ने प्रशासन से बात कर पुल के शीघ्र निर्माण की बात कही है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव निरगाजनी स्थित पनचक्की के पुल को कुछ माह पूर्व क्षतिग्रस्त होने के कारण सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पुल को बंद कर दिया था तथा पुल पर दीवार कर दी गई थी। इस पुल से क्षेत्र के रहमतपुर, सिकन्दरपुर, गढवाड़ा, निरगाजनी आदि गांवों के किसानों का खेतों पर आना-जाना है। इसी पुल से होकर किसान अपने खेतों पर पहुंचते हैं। पुल बंद होने से किसानों को लगभग 05 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने खेतों पर जाना पड़ता है। किसान पशुओं का चारा व गन्ना आदि लाने के लिए लम्बी दूरी से होकर जा रहा है, जिसे लेकर कई बार किसान संगठन सहित ग्रामीणों द्वारा धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन को सूचित किया जा चुका है, किन्तु अभी तक कोई समाधान नहीं हो सका है। बुधवार को निरगाजनी झाल पहुंचे भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ. राकेश टिकैत ने कहा कि ये सभी पुल अंग्रेजी हुकूमत द्वारा बनाए गये हैं, जोकि धीरे धीरे जर्जर होते जा रहे हैं। सरकार को इन पुलों की जांच कर नए पुलों का निर्माण कराना चाहिए। खाईखेडी शुगर मिल ने निरगाजनी पुल को अस्थाई रूप से चालू करने की बात कही है। प्रशासन इसकी अनुमति मिल को दे कि वह अस्थाई पुल बना सके। आजकल तकनीक का युग है जैसे सेना नहर या नदी पर कुछ ही समय में अस्थाई पुल का निर्माण कर सकते हैं, तो प्रशासन क्यों नहीं कर सकता। गन्ने का सीजन चल रहा है, किसानों को बहुत दूर से गन्ना लेकर आना पड़ रहा है। प्रशासन को गन्ने का सीजन पूरा होने तक अस्थाई पुल बनाकर किसानों की समस्या का समाधान करना चाहिए। गन्ने का सीजन समाप्त होने के बाद प्रशासन नए पुल की प्रक्रिया प्रारम्भ करे। इस अवसर पर भाकियू के तहसील अध्यक्ष सरदार अमीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष अनुज राठी, पुष्पेन्द्र उर्फ बिट्टू प्रधान, बॉबी राठी, पवन राठी, यशपाल, मोहित, अजय, योगेश शिवाच, मोंटी, सतीश, अनिल, पंकज मलिक, वासु, रविन्द्र, पलविन्दर, धर्मेन्द्र, अशोक, राजा, नरेश प्रधान आदि मौजूद रहे।

गुरुवार को होगी धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा

कार्यक्रम का नाम होगा जिंदगी का जश्न

मुंबई, 26 नवम्बर (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद देओल परिवार अब उनकी प्रार्थना सभा की तैयारियों में जुट गया है। 24 नवंबर 2025 को मुंबई स्थित जुहू आवास में अंतिम सांस लेने वाले धर्मेंद्र पिछले एक महीने से अस्वस्थ थे। आखिरी समय में परिवार वाले उनकी घर पर ही देखभाल कर रहे थे। उनकी शांतिपूर्ण विदाई के बाद अब परिवार उनके लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने जा रहा है। धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा 27 नवंबर (गुरुवार) शाम 5 बजे से मुंबई के ताज लैंड्स एंड में आयोजित की जा रही है। अब देओल परिवार की टीम ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि इस सभा का आयोजन सनी देओल, बॉबी देओल, हेमा मालिनी और ईशा देओल मिलकर कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का नाम 'जिंदगी का जश्न' रखा गया है। फिल्म इंडस्ट्री और धर्मेंद्र के चाहने वालों को इस आयोजन को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार था। धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में शाहरुख, सलमान से लेकर अमिताभ और शत्रुघन सिन्हा तक, हर सितारे के आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि धर्मेंद्र एक पूर्व सांसद रहे थे और पद्म पुरस्कार से भी सम्मानित थे। इसके बावजूद उनके अंतिम संस्कार में किसी तरह का सरकारी सम्मान नहीं दिया गया। शांत और निजी तरीके से सम्पन्न अंतिम संस्कार ने कई प्रशंसकों और राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े किए। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक यह निर्णय खुद परिवार का था, क्योंकि वो अभिनेता को बेहद निजी और सादगीपूर्ण विदाई देना चाहते थे। धर्मेंद्र को उनके प्रशंसक आखिरी बार निर्देशक श्रीराम की फिल्म इक्कीस में देख सकेंगे। निर्देशक ने भावुक होकर बताया कि उम्र और स्वास्थ्य दोनों कमजोर थे, लेकिन कैमरा जैसे ही चालू होता, धर्मेंद्र पूरी एनर्जी के साथ सीन पूरा करते।

3 डम्पर ट्रक सीज, दो-दो लाख रुपये का जुर्माना

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। बिना नम्बर प्लेट/फॉल्टी नम्बर प्लेट लगाकर अवैध परिवहन में प्रयुक्त 3 डम्पर ट्रकों को थाना तितावी पुलिस द्वारा सीज कर दिया गया। बिना नम्बर प्लेट/फॉल्टी नम्बर प्लेट एवं ओवरलोड चलाये जा रहे डम्पर/ट्रक संचालकों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना तितावी पुलिस द्वारा बीती रात्रि फॉल्टी नम्बर प्लेट लगाकर अवैध परिवहन में प्रयुक्त 3 डम्पर ट्रकों को सीज किया गया है। खनन अधिकारी व संभागीय अधिकारी द्वारा मौके पर पहुंचकर तीनों डम्पर/ट्रकों पर 02-02 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है।

मजदूरी के पैसे मांगने पर 5 युवकों ने किया युवक पर जानलेवा हमला

बुढ़ाना, 26 नवम्बर (बु.)। अपने मजदूरी के एक हजार रुपए मांगने पर दूसरे सम्प्रदाय के 5 युवकों ने एक युवक की डंडे, पाइप व पंच से उसके घर के बाहर पिटाई कर दी। युवक को बचाने आए 2 युवकों को भी पीटा गया। इस मामले में पुलिस का रवैया देखिये पुलिस ने 2 घायल युवकों को किसी छुटभय्ये नेता के कहने पर पूरी रात थाने रखा। एसपी देहात की फटकार पड़ी तो पुलिस ने आज सुबह दोनों युवक छोड़ दिये। उधर आरोपी अब पीड़ित को पुलिस में जाने पर खुली धमकी दे रहे हैं। घटना बीती देर रात साढे 10 बजे के आसापास की बुढ़ाना कस्बे की कांशीराम कॉलोनी की है, जहां के जुनैद शेख ने फोन पर पड़ोस में रहने वाले दूसरे सम्प्रदाय के युवक से अपनी मजदूरी के एक हजार रुपये मांगे तो युवक अपने अन्य साथियों को लेकर उसके घर पहुंचा, जिनमें आरोपी दिपांशु, शुभ, सचिन, आशु व नवाज राइन थे। सबने एक राय होकर जुनैद को बाहर बुलाकर डंडे, पाइप, पंच से बुरी तरह पीटा तो शोर सुनकर मौके पर जुनैद को छुड़ाने आए उसके परिवार के जाहिद व आरिफ संग भी मारपीट की गयी। यहां तक समीर व अनवर को भी गुम चोटें आई। आरोपी घटना को अंजाम देकर चलते बने। उधर घटना की सूचना डायल नंबर 112 को पीड़ित पक्ष ने दी तो आरोप है कि पुलिस ने दोनों युवकों का मेडिकल तो कराया, मगर उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लेकर थाने बिठा दिया, जबकि आरोपियों के यहां कोई दबिश नहीं दी गयी। आज बुधवार की सुबह पीड़ित परिवार की एक महिला ने एसपी देहात आदित्य बंसल को फोन पर पुलिस की कारगुजारी बताई, तो उन्होंने बुढ़ाना पुलिस को हड़काकर दोनों घायल युवकों को छोड़ने व आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए, लेकिन पुलिस ने अब तक न तो रिपोर्ट दर्ज की और ना ही आरोपियों के यहां दबिश दी, जिसका परिणाम ये रहा कि आरोपी पीड़ित को धमकियां दे रहे हैं। मामला अलग अलग सम्प्रदाय से जुड़ा होने के कारण पुलिस फिर भी ढिलाई बरत रही है।

कलयुगी पति ने पत्नि की अश्लील वीडियो बनाई

बुढ़ाना, 26 नवम्बर (बु.)। एक कलयुगी पति ने अपनी पत्नि की अश्लील वीडियो बना ली और दहेज की मांग पूरी न करने पर वीडियो को वायरल करने की धमकी दे रहा है, जिसकी शिकायत पुलिस में की गयी है। बुढ़ाना कोतवाली की गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को बताया कि उस लगभग छह वर्ष पूर्व संदीप शेट्टी पुत्र सुभाष निवासी कच्ची गढ़ी, थाना गढ़ीपुख्ता, शामली के संग हुई थी। उसकी

दहेज की मांग पूरी न करने पर दे रहा वीडियो को वायरल करने की धमकी

2 मासूम पुत्रियां हैं। उसे जेठ विक्रम, महक सिंह, जेठानी अंजू, शीतल कम दहेज लाने के ताने देते रहते हैं। 02 पुत्रियां पैदा हुई, तो और ज्यादा तंग करने लगे। उसे भूखा रखा। अतिरिक्त दहेज में 5 लाख रुपये व बुलेट मोटर साईकिल मांगी। उसने मना किया तो बीते वर्ष उसके संग मारपीट की और ससुराल से निकाल दिया। महिला का पति फोटोग्राफर है, जिसने उसके फोटो एडिट कर अश्लील वीडियो बना रखी है। कानूनी कार्यवाही पर वीडियो वायरल कर बेइज्जत करने की धमकी देता है। संदीप फोन पर परिवार को जान से मारने की धमकी देता है। बीती 15 नवम्बर को संदीप उसके पीहर आया तथा उसे अपने संग ले गया और रात में मुंह पर तकिया दबाकर हत्या का प्रयास किया। तब दोनों मासूम पुत्रियों ने शोर मचा दिया। उधर पीड़िता महिला ने बुढ़ाना महिला थाने को आरोपी ससुरालियों के विरुद्ध तहरीर दी है।

एसआईआर की ड्यूटी के दौरान बरेली में हार्ट अटैक से बीएलओ की मौत

बरेली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में अपने अतिरिक्त कार्य से परेशान बीएलओ की दर्दनाक मौत हो गई। एसआईआर के अधिक दबाव की वजह से स्कूल में बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह अचानक गिर पड़े। लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर डीएम अविनाश सिंह और एडीएम सदर प्रमोद कुमार समेत कई अधिकारी पहुंचे। बरेली स्थित भोजीपुरा ब्लॉक परधौली गांव प्राथमिक विद्यालय में तैनात 47 साल के शिक्षक सर्वेश कुमार गंगवार पर एसआईआर का काफी दबाव था। बुधवार सुबह ड्यूटी दौरान ही उनकी मौत हो गई, जिससे उनके परिवार में हड़कंप मच गया। बीएलओ के बड़े भाई योगेश गंगवार भी शिक्षक हैं और उन्हें सुपर वाइजर बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इन दिनों एसआईआर का बहुत ज्यादा दबाव है। अधिकारी लगातार दबाव दे रहे हैं। रात करीब 12 बजे तक काम करना पड़ रहा है। उसके बावजूद अधिकारी फटकार लगाते हैं। उनका आरोप है कि काम का ज्यादा बोझ होने की वजह से मेरे भाई की जान चली गई। बीएलओ सर्वेश कुमार की मौत से उनके दो मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी पहले ही मर चुकी है और उनके दो जुड़वा बच्चे अहाना, अयांश, जिनकी उम्र 5 साल है। सर्वेश बरेली के कर्मचारी नगर के रहने वाले हैं। 2015 में उनकी शिक्षक पद पर जॉब लगी थी। उनके भाई ने बताया कि कभी भी काम का बोझ इतना ज्यादा नहीं रहा जितना इस बार है। एसडीएम सदर प्रमोद कुमार का कहना है कि बीएलओ सर्वेश कुमार की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई है। उन्होंने अतिरिक्त कार्य का बोझ होने से इनकार किया है।

आम के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

खतौली, 26 नवंबर (बु.)। नगर क्षेत्र की सद्दीकनगर कॉलोनी के निकट स्थित बाग में आम के पेड़ से एक युवक का शव लटका हुआ मिलने से लोगों में खलबली मच गयी। मिली जानकारी के अनुसार सद्दीकनगर कॉलोनी स्थित बाग में एक पेड़ में एक तीस वर्षीय युवक का शव लटका हुआ मिलने की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया गया। मृतक के दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में देव लिखा हुआ था। शिनाख्त न होने पर पुलिस द्वारा पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवा दिया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगामी कार्यवाही की जाएगी।

अपनी ही शादी में चिप्स लेकर भागा दूल्हा

हमीरपुर, 26 नवम्बर (एजेंसी)। हमीरपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में नाश्ते को लेकर लूट मच गई। लोग चिप्स के पैकेट लूटकर भागने लगे। यहां तक कि दूल्हा भी चिप्स पैकेट लेकर भागता दिखा। नाश्ते के काउंटर पर इतनी भीड़ लग गई कि लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। राठ कस्बे में मंगलवार को सामूहिक विवाह का कार्यक्रम था। इस दौरान मैनेजमेंट के लोग व्यवस्था नहीं संभाल पाए। शादी में पहुंचे लोग आलूबड़े-चिप्स के काउंटर पर एक साथ पहुंच गए। विवाह सम्मेलन में कुल 383 जोड़ों की शादी कराई गई। इसका आयोजन ब्रह्मानंद विद्यालय के खेल प्रांगण में किया गया था। राठ में 383 जोड़ों की शादी के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया था। इसमें 380 जोड़ों ने वरमाला डालकर एक-दूसरे को अपना जीवनसाथी स्वीकार किया। वहीं, तीन मुस्लिम जोड़ों ने भी निकाह कर एक-दूसरे को अपना हमसफर चुना। शादी के बाद अधिकारी तो मौके से निकल गए। फिर जैसे ही नाश्ता बंटना शुरू हुआ। लोग आलूबड़ा और चिप्स के पैकेट लूटकर भागने लगे। घटना के वीडियो में एक दूल्हा भी चिप्स का पैकेट लूटते दिखा। नाश्ते की मची लूट के बाद लोगों ने मौके पर ही इसे खाना शुरू कर दिया। कई महिलाओं के हाथ में एक से ज्यादा आलूबड़े दिखे। आलूबड़े व चिप्स के पैकेट लूट रहे लोग एक दूसरे पर गिरने लगे। आलूबड़े और चिप्स को लेकर मची लूट के बीच एक मासूम बच्चे का हाथ गर्म चाय में गिर गया, जिससे वह झुलस गया। भगदड़ के समय किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी नहीं दिखी। समारोह के बीच लोगों ने काउंटर पर रखा पूरा नाश्ता लूट लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है।

दिल्ली ब्लास्ट का 7वां आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए आत्मघाती कार बम विस्फोट की जांच में एक और बड़ी सफलता हासिल की है, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हमले के सातवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हैं। ताजा गिरफ्तार आरोपी की पहचान शोएब के रूप में हुई है। शोएब फरीदाबाद के धौज का निवासी है। आरोप है कि उसने मुख्य आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी को हमला करने से ठीक पहले शरण और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की थी। एनआईए अधिकारियों के अनुसार, सबूतों से पता चला है कि शोएब ने पूरी जानकारी होने के बावजूद उमर उन नबी को शरण दी और हमले की तैयारी में उसकी मदद की थी। जांच टीम ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपी डॉ. मोजम्मिल शकील गनई को साथ लेकर शोएब के घर का दौरा किया, ताकि हमलावरों की गतिविधियों को दोबारा समझा जा सके। घर की तलाशी के दौरान जांचकर्ताओं को एक ग्राइंडर और पोर्टेबल भट्ठी मिली, जिनके बारे में माना जा रहा है कि इन्हें आईईडी के पुर्जे तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। शोएब अल-फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर चुका है और कथिततौर पर पूरी साजिश से अवगत था। एनआईए की यह कार्रवाई उस व्हाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है, जिसके तहत इस विस्फोट की साजिश रची गई थी।

विदेश में रह रहे भाईयों की जमीन का कराया फर्जी बैनामा

मुजफ्फरनगर, 26 नवम्बर (बु.)। सिखेड़ा क्षेत्र के गांव बहादरपुर में 25 साल से विदेश में रह रहे एनआरआई भाइयों की कृषि भूमि पर

प्रधान के पति व उसके छह भाइयों समेत नौ नामजद

जबरन कब्जा करने और फर्जी बैनामा कराने का मामला सामने आया है। प्रधान पति व उसके छह सगे भाइयों, एक भतीजे व बेटे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना भोपा क्षेत्र के गांव तिस्सा निवासी मुमताज अली ने सिखेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके सगे भांजे मोहम्मद अख्तर और जीशान हैदर निवासी गांव बिलासपुर 20-25 वर्षों से दुबई में रोजगार कर रहे हैं। दोनों भाई एनआरआई हैं। गांव बहादरपुर में स्थित उनकी कृषि की भूमि की देखरेख वह अन्य परिजनों के साथ मिलकर करता है। मनोज कुमार निवासी कूकड़ा और ओमपाल निवासी गांव पचेंडा ने साजिश के तहत उसकी भूमि का फर्जी बैनामा तैयार कर उसे सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर निवासी और गांव के प्रधान के पति भगत सिंह के नाम कर दिया। इस भूमि पर किसी आरोपी का कभी कब्जा नहीं रहा। इससे संबंधित मामला न्यायालय में चल रहा हैं। आरोप है कि 14 नवंबर 2025 की प्रधान के पति भगत सिंह व कई अन्य ने जमीन पर कब्जा दिखाने का प्रयास किया। विरोध करने पर वादी पर हमला कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने भगत सिंह, सचिन सिंह और अजब सिंह को ट्रैक्टर सहित पकड़ लिया था। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी जमीन छोड़ने के बदले 20 लाख रुपये की रंगदारी मांग रहे हैं। परिवार को जान से मारने की धमकी दी। सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कॉर्पियो और ट्रक में टक्कर, सेना के 2 जवान सहित 5 लोगों की मौत

जांजगीर, 26 नवम्बर (एजेंसी)। जिले के जांजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकली गांव के पास नेशनल हाईवे-49 पर देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। नवागढ़ से बारात से लौट रही स्कॉर्पियो और तेज रफ्तार ट्रक की जोरदार भिड़ंत में स्कॉर्पियो सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। नवागढ़ के रहने वाले करीब आठ लोग स्कॉर्पियो में सवार होकर पंतोरा गांव बारात में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद देर रात लौटते समय सुकली गांव के पास एनएच-49 पर ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

कार 30 फीट नीचे नदी में गिरी, पांच की मौत, लखीमपुर में ग्रामीणों ने कार खींचकर निकाली

लखीमपुर, 26 नवम्बर (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में शादी समारोह से लौट रही ऑल्टो कार 30 फीट नीचे सोती नदी में गिर गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। ड्राईवर को सीपीआर देकर बचाया गया। बताया जा रहा है कि कार का गेट लॉक हो गया था। कार के गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। नदी के तेज बहाव में कार 30-40 फीट बह गई। फिर कार नदी में डूब गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। टॉर्च की रोशनी में ग्रामीण नाव से नदी में उतरे। उन्होंने कार में रस्सी बांधी और उसे बाहर निकाला। इसके बाद शीशा तोड़कर अंदर बैठे लोगों को बाहर निकाला। आनन-फानन में सभी को सीएचसी रमिया बेहड़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 को मृत घोषित कर दिया। हादसा जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर पढुआ थाना क्षेत्र के 'खेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर पारस पुरवा गांव के पास मंगलवार रात 11:40 बजे हुआ। मृतकों की पहचान जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी (45), सुरेश (50) और अजीमुल्ला अहमद (50) के रूप में हुई है। इनमें जितेंद्र को छोड़कर चारों बहराइच के घाघरा बैराज के फोर्थ ग्रेड के कर्मचारी थे। घनश्याम और जितेंद्र चचेरे भाई हैं। स्थानीय युवक अभिमन्यु, रोबिन और उमेश ने बताया कि हम लोग सो रहे थे, तभी पुल से सोती नदी के साइफन में कार के गिरने और लोगों के चीखने की आवाज आई। पीछे से गुजर रहे एक कार चालक ने हादसा अपनी आंखों से होते देखा और चिल्लाकर लोगों को बुलाया। हम लोग दौड़कर पहुंचे। देखा तो कार नहर में डूब रही थी। अंदर बैठे लोग छटपटा रहे थे। थोड़ी देर में कार पूरी तरह डूब गई। हमने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पढुआ थाने के दरोगा अभिषेक सिंह पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद रस्सी का इंतजाम किया गया। फिर नाव के सहारे हम लोग नहर में उतरे। कार में रस्सी बांधी और ट्रैक्टर से खींचकर उसे किनारे तक लाए। कार के गेट लॉक थे। हमने ईंट से कार का शीशा तोड़ा, फिर सभी को बाहर निकाला। सभी बेहोश थे। हमने सभी को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया। सीपीआर देने पर एक को होश आ गया, लेकिन बाकी 5 लोगों को होश नहीं आया। पुलिस सभी को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

5 लाख रुपये की ठगी, शिकायत पर बंधक बनाकर पीटा

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। खतौली के एक कोयला व्यापारी से पांच लाख रुपये की ठगी और शिकायत पर बंधक बनाकर पीटने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि राजस्थान के एक सप्लायर ने अग्रिम भुगतान लेने के बावजूद माल नहीं भेजा। जब व्यापारी ने अपने प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए भेजा, तो उन्हें बंधक बनाकर पीटा गया और धमकियां दी गईं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खतौली कस्बे के इस्लामाबाद भूड़ निवासी जावेद पुत्र रियाजुदीन ने खतौली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह कोयले का कारोबार करते हैं। कुछ समय पहले राजस्थान के कोयला व्यापारी कालूराम का उनके पास माल खरीदने के संबंध में फोन आया था। माल की जांच के लिए जावेद ने अपने दो आदमियों को कालूराम के बताए पते पर 6 नवंबर को राजस्थान भेजा था।

बास्केटबॉल खिलाड़ी की मौत, पीड़ित पिता का छलका दर्द

रोहतक, 26 नवम्बर (एजेंसी)। रोहतक के लाखनमाजरा में 16 वर्षीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी की दर्दनाक मौत के मामले में मृतक खिलाड़ी के पिता संदीप राठी का बयान आया है। संदीप राठी ने मीडिया से बातचीत में अपना दर्द बयान किया। संदीप राठी ने कहा, मेरा सपना था कि मेरा बेटा भारत के लिए खेले और मुझे गर्व महसूस कराए। वह 2026 में भारत के लिए खेलने की तैयारी कर रहा था। मेरे दो बच्चे हैं, दोनों बास्केटबॉल खेलते हैं। जब हार्दिक राठी छोटा था, तब मैने घर में बास्केट बॉल का रिंग लाया था, उसी से उसने बास्केटबॉल खेलना शुरू किया। धीरे-धीरे दोनों भाई खेलने लगे। पीड़ित पिता ने कहा इस हादसे की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की है। उन्होंने व्यवस्थाओं का ध्यान नहीं रखा। मुख्यमंत्री को ऐसे मामलों में खुद ध्यान देना चाहिए, ताकि हम अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को न खोएं। मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। मेरे बहुत बड़े सपने थे। मैंने अपने बेटे को वादा किया था कि मैं उसे शानदार जिंदगी दूंगा। मेरा बेटा बहुत मेहनती था। वह अकेले भी प्रैक्टिस करता रहता था। मेरे सारे सपने चूर-चूर हो गए। हमारा बेटा चला गया, लेकिन मेरी यही कामना है कि अब किसी और के साथ ऐसा न हो। परिजनों का कहना है कि बास्केट बॉल कोर्ट में लगे पोल की हालत काफी खराब थी और कई बार इसकी शिकायत भी की गई थी, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया है। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने हरियाणा के दो होनहार खिलाड़ियों के साथ हुई दुःखद मृत्यु की घटना के बाद बड़ा एक्शन लिया है। दोनों खेल अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। खेल मंत्री ने 22 जिलों के स्पोर्ट्स ऑफिसर्स को जिले में खेल संबंधी पूरी जानकारी तलब करने के आदेश दिए हैं।

93 साल में पहली बार 400 रन की हार

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत का 2-0 से सफाया कर दिया है। गुवाहाटी टेस्ट के पांचवें दिन 549 रन के टारगेट का पीछा कर रही भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 140 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका ने मैच 408 रन से जीत लिया। भारत 93 साल के अपने टेस्ट इतिहास में पहली बार 400 रनों से ज्यादा के अंतर से हारा है।

बॉर्डर क्रॉस कर भारत आई बबली खातून

देहरादून, 26 नवम्बर (एजेंसी)। अवैध रूप से देहरादून में रहने और फर्जी दस्तावेज बनाने वाली दो बांग्लादेशी महिलाओं को दून पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें से एक महिला ने हिंदू युवक से शादी भी कर ली और दोनों किराये के मकान में रह रहे थे। पुलिस ने दोनों महिलाओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फर्जी दस्तावेज बनाने वाले आरोपितों की तलाश में जुट गई है। दून पुलिस अब तक अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशियों के विरुद्ध कार्रवाई कर चुकी है। इनमें से फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जा चुका है, जबकि 9 बांग्लादेशी डिपोर्ट किये गये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश भर में चल रहे ऑपरेशन कालनेमि के तहत पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। 24 नवंबर को पटेलनगर कोतवाली पुलिस को जानकारी मिली कि क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दो बांग्लादेशी महिलाएं अवैध रूप से रह रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए देहराखास क्षेत्र से एक महिला भूमि शर्मा को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना असली नाम बबली खातून पत्नी मोहम्मद मुनजू बताया। उसके कब्जे से पुलिस को भूमि शर्मा के नाम का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आइडी व अन्य फर्जी भारतीय दस्तावेज और बबली बेगम नाम से एक बांग्लादेशी पहचान पत्र प्राप्त हुआ।

यूपी में कट सकता है तीन करोड़ वोट, अखिलेश यादव ने जताई आशंका

लखनऊ, 26 नवम्बर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने बुधवार को दावा किया कि यूपी में तीन करोड़ लोगों के नाम काटे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग बीएलओ पर जल्द से जल्द फॉर्म भरने का प्रेशर डाल रही है। इसकी वजह से बीएलओ बड़े लेवल पर अपनी जान गंवा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि कल गोंडा में यादव कम्युनिटी के एक टीचर और फतेहपुर में कोइरी कम्युनिटी के एक टीचर ने सुसाइड कर लिया। टीचर की शादी होने वाली थी। अखिलेश यादव ने कहा कि बीएलओएस ने फॉर्म बांट दिया, लेकिन लोग कहते हैं कि हमें फॉर्म बांट दिया, जबकि ऑनलाइन दिखा रहा है कि बीएलओएस ने 99.99 प्रतिशत फॉर्म बांट दिया। सरकार उन पर जल्द से जल्द फॉर्म भरने का प्रेशर डाल रही है। इसका मतलब है कि वे यूपी में तीन करोड़ वोट काटेंगे। सपा नेता ने दावा किया कि बीजेपी और इलेक्शन कमीशन एक हैं। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा कि हमने देखा कि बीजेपी ने आज सुबह संविधान दिवस मनाया..हालांकि, उन्होंने ही संविधान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का दिया सबसे बड़ा अधिकार, वोट, खतरे में लगता है। क्योंकि वे अलग-अलग बहानों से लाखों लोगों को उनके वोट देने के अधिकार से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में लाखों लोगों के वोट काटने के लिए साज़िशें हो रही हैं। अधिकारियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है... जाति के आधार पर अधिकारियों को नियुक्त किया जा रहा है।

25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना देश के लिए बड़ी उपलब्धि : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में संविधान दिवस 2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में नौ भारतीय भाषाओं में संविधान को डिजिटल तरीके से जारी किया गया, जिन नौ भाषाओं में भारत का संविधान जारी किया गया, उनमें मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि संविधान औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने और राष्ट्रवादी सोच अपनाने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज है। उन्होंने संविधान सदन पुराना संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है। उनका कहना था, 'हमारे संविधान निर्माता चाहते थे कि हमारे व्यक्तिगत, लोकतांत्रिक अधिकार हमेशा सुरक्षित रहें। संविधान औपनिवेशिक मानसिकता को छोड़ने और राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज है।' उन्होंने कहा, '25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाना देश की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। महिलाएं, युवा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, किसान, मध्यम वर्ग, नया मध्यम वर्ग हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। उनका कहना था कि संविधान दिवस मनाने की परंपरा आरम्भ करने की जितनी भी प्रशंसा की जाए, वो कम है। राष्ट्रपति ने नौ भाषाओं -मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, उड़िया और असमिया में संविधान के डिजिटल संस्करण का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना का पाठ भी किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 भाषाओं में किया 'संविधान' के अनुवाद का लोकार्पण

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। संविधान दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर संसद के पुराने सेंट्रल हॉल में मुख्य समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जहाँ उन्होंने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के संविधान का 9 क्षेत्रीय भाषाओं में किए गए अनुवाद का डिजिटल रूप से रिलीज किया। आपको बता दें कि भारत के संविधान को देश के अलग-अलग भाषाई क्षेत्रों तक पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रपति ने इसका डिजिटल अनुवाद जारी किया। ये 9 भाषाएँ मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया, असमिया और मलयालम हैं।

आग का गोला बनी कार, बाल-बाल बचे गंगारामपुरा के तीन युवक

मुजफ्फरनगर, 26 नवंबर (बु.)। देवबंद में कार में अचानक आग लगने से शहर के गंगाराम पुरा निवासी तीन युवक बाल-बाल बच गए। विवाह समारोह के बाद कार से लौट रहे लोगों की कार देवबंद फ्लाईओवर पर आग का गोला बन गई। पुलिस ने समय रहते कार में सवार तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे फायर बिग्रेड कर्मियों ने आग का गोला बनी कार की आग को बामुश्किल आग बुझाया लेकिन तब तक कार जलकर खाक हो चुकी थी। बताया जाता है कि कार में सीएनजी के लीकेज के चलते आग लगी है। मुजफ्फरनगर के गंगा रामपुर निवासी उत्कर्ष गोयल मंगलवार देर शाम को अपने दो साथियों के साथ देवबंद स्थित रहमत गॉर्डन में हो रहे विवाह समारोह शामिल होने के लिए आए थे। देर रात वापस लौटते के दौरान फ्लाईओवर के पिलर नंबर 60 के निकट पहुंचते ही कार में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। इस दौरान मंगलौर रोड पुलिस चौकी प्रभारी अजब सिंह ने पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर कार में सवार तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलते ही कुछ ही देर में फायर ब्रिगेडकर्मी भी पहुंच गए जिन्होंने बामुश्किल आग पर नियंत्रण किया। पुलिस के मुताबिक कार में सीएनजी किट लगी हुई है उसमें हुई लीकेज के कारण आग लगी है।

पाकिस्तान में भारतीय सिख महिला की शादी पर विवाद

इस्लामाबाद, 26 नवंबर (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक भारतीय सिख महिला की शादी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब पंजाब विधानसभा के पूर्व सिख विधायक महिंदर पाल सिंह ने लाहौर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर महिला की गिरफ्तारी और उसे भारत भेजने की मांग कर दी। उनका आरोप है कि महिला वीजा अवधि खत्म होने के बाद पाकिस्तान में अवैध रूप से ठहरी हुई है और यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। इस वजह से गिरफ्तारी जरूरी है। पूर्व विधायक महिंदर पाल सिंह ने अदालत को बताया कि 48 वर्षीय सरबजीत कौर गुरु नानक देव की जयंती से जुड़े आयोजन में शामिल होने 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ इस महीने पाकिस्तान आई थीं। लेकिन 13 नवंबर को सभी की वापसी के दौरान वह लापता हो गईं और बाद में पता चला कि उन्होंने पाकिस्तान के शेखूपुरा जिले के निवासी नासिर हुसैन से विवाह कर लिया है। उनका दावा है कि कौर के खिलाफ भारत में भी आपराधिक रिकॉर्ड है और इस वजह से उनका पाकिस्तान में रहना संदिग्ध है।

कमला पसंद कंपनी के मालिक की बहू ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। देश की मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (38) ने दिल्ली के बसंत विहार स्थित अपने घर में मंगलवार शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार दीप्ति का शव ड्रेसिंग रूम के पंखे से लटका हुआ मिला। दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें लेकर अस्पताल गए, जहां दीप्ति को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा, 'अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर उस रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। अब और नहीं सहन होता। बेटे को मां का आशीर्वाद।' पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे।

दीप्ति की 2010 में हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों का 14 साल का एक बेटा है। बताया जा रहा है कि हरप्रीत ने दो शादियां की हैं। दूसरी पत्नी दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक्ट्रेस हैं। उसके साथ भी हरप्रीत की एक बेटी है। दीप्ति चौरसिया के भाई ऋषभ ने बताया कि मेरे जीजा हरप्रीत के कई अवैध संबंध थे। शादी के बाद से ही दोनों के अच्छे सम्बंध नहीं थे। 2011 में भांजे की डिलीवरी के बाद हमें पता चला कि जीजा और सास मेरी बहन के साथ मारपीट करते हैं। हम अपनी बहन को कोलकाता में अपने घर ले आए थे, लेकिन उसकी सास उसे वापस ले गई थी। ऋषभ ने कहा- उसके बाद भी बहन के साथ उन्होंने मारपीट जारी रखा। मेरी बहन मुझे फोन करके कहती थी कि उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। बहन का पति उसके साथ मारपीट करता था। मुझे नहीं पता कि मेरी बहन की हत्या हुई या उसने आत्महत्या की। मैंने 2-3 दिन पहले उससे बात की थी। मुझे बस न्याय चाहिए।

राम मंदिर की धर्मध्वजा फहराने पर पाक के बयान का भारत ने किया विरोध

इस्लामाबाद, 26 नवंबर (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान से कहा कि वह हमें अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और कट्टरता पर ज्ञान न दे। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का लंबा इतिहास है। उनके पास किसी दूसरे देश को नसीहत देने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान ने अयोध्या के राम मंदिर में पीएम मोदी के ध्वजारोहण पर विरोध जताया था। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यह भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते दबाव और मुस्लिम विरासत को मिटाने की कोशिश का हिस्सा है। पाकिस्तान ने कहा कि जिस जगह पहले बाबरी मस्जिद थी, वहां अब राम मंदिर बनाया गया है। पाकिस्तान ने दावा किया कि बाबरी मस्जिद कई सदियों पुरानी धार्मिक जगह थी। 6 दिसंबर 1992 को इसे भीड़ ने गिरा दिया था।

शेष : 60 फीसदी मुस्लिमों ...

मजबूती से आवाज उठानी पड़ेगी। आज हालात यह हैं कि कहीं बुल्डोजर चलाया जा रहा है तो कहीं मूंछे रखने पर मार दिया जाता है तो कहीं घोड़ी पर बैठने पर सरकार लोगों को मरवा देती है। मुजफ्फरनगर की क्रान्तिकारी धरती से मैं भाईचारा बनाने के लिए निकला हूँ। एक पार्टी लम्बे समय से भाईचारा खराब करके सत्ता पर काबिज है, मगर उत्तर प्रदेश और केन्द्र में असली भाईचारा बनाने के लिए हम निकले हैं। आज यहां मौजूद भीड़ बता रही है कि दलित वर्ग की कोई ऐसी जाति नहीं है, जो यहां मौजूद न हो और मुसलमानों की भारी-भरकम भागेदारी आप खुद चैक कर सकते हैं। भाईचारा टूटा तो हमें नुकसान होगा और फायदा उनका होगा। इसलिए हमारे साथ रहिए। उन्होंने मीरापुर विधानसभा पर अरशद राणा को भारी-भरकम वोट दिलाने पर जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि 2027 में सूद समेत मीरापुर की जनता का कर्ज उतारूंगा।

क्या बोल गए लक्ष्मीकांत वाजपेयी, गुस्साए वकील

मेरठ, 26 नवंबर (एजेंसी)। हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर वेस्ट यूपी में चल रहे वकीलों के आंदोलन के बीच बुधवार को बीजेपी सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। सांसद के बयान के बाद बड़ी संख्या में वकील उनके आवास पहुंचे और विरोध जताया। लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने प्रयागराज में हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को लेकर कहा- प्रयागराज में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों का नंबर दीजिए, उन्हें चिट्ठी भेजकर लउ बेंच पर समर्थन मांगूंगा। समर्थन दिया तो पीठ पर, नहीं दिया तो विरोध में खड़े होंगे। जब तक प्रयागराज में आग नहीं लगेगी, हम जलेंगे, वो मौज लेंगे। इस बयान के सामने आने के बाद वेस्ट यूपी के वकीलों में नाराजगी बढ़ गई। सांसद के बयान के विरोध में बुधवार सुबह सैकड़ों वकील उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट बेंच की मांग न्यायसंगत है और इस पर राजनीतिक बयानबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

योगी आज गाजियाबाद में

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचेंगे। यहां से वह गौतमबुद्ध नगर और दिल्ली भी जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है।

दो आईएएस बदले

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसी)। शासन ने देर शाम दो आईएएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी कर दिए। गौतमबुद्ध नगर में एडीएम रहे राजेश कुमार को चित्रकूट का सीडीओ बनाया गया है। वहीं, प्रतीक्षारत रहीं आईएएस अनुष्का शर्मा को संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार, बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 26 नवम्बर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया के संयंत्र का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हैदराबाद स्थित जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज से भारत का विमानन क्षेत्र एक नई उड़ान भर रहा है। उन्होंने कहा कि सफ्रान की नई सुविधा भारत को वैश्विक एमआरओ केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह एमआरओ सुविधा उच्च तकनीक वाले एयरोस्पेस क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत में सफ्रान का निवेश इसी गति से जारी रहेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में भारत का विमानन क्षेत्र अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। आज भारत सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू विमानन बाजारों में से एक है। हमारा घरेलू बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा, 'भारत के लोगों की आकांक्षाएं नए आयाम छू रही हैं। इसलिए, भारत में हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है। हमारी एयरलाइंस लगातार अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं। भारतीय एयरलाइंस ने 1500 से ज्यादा नए विमानों का ऑर्डर दिया है। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत के विमानन क्षेत्र के तेजी से विस्तार की वजह से रख-रखाव, मरम्मत और ओवरहाल की जरूरतें बढ़ रही हैं। हमारे 85 फीसदी एमआरओ कार्य देश के बाहर होते रहे हैं। यह स्थिति भारत जैसे बड़े विमानन बाजार के लिए अच्छी नहीं थी। इसलिए, आज भारत सरकार देश को एक बड़े एमआरओ केंद्र के रूप में विकसित कर रही है।

देश का सबसे महंगा वाहन नंबर एक करोड़ 17 लाख

चंडीगढ़, 26 नवम्बर (एजेंसी)। फैंसी नंबर की ऑन लाइन नीलामी में एक करोड़ 17 लाख पर पहुंच कर देश के सबसे महंगे नंबर का रिकॉर्ड बना दिया। बुधवार को ऑनलाइन नीलामी में HR88B8888 नंबर प्लेट के लिए 45 लोगों ने आवेदन किया था। जब बोली शुरू हुई थी तो इस नंबर प्लेट के लिए केवल 50,000 रुपये मांगे गए थे। दोपहर 12 बजे तक यह बोली 88 लाख रुपए पर थी। इसके बाद बढ़ते बढ़ते यह एक करोड़ 17 लाख पर पहुंच गई। यह नंबर कुंडली सोनीपत का है। नंबर पाने वाले के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

एमबीबीएसमें दाखिले के नाम पर ठगे 100 करोड़, दो गिरफ्तार

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसी)। एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 100 करोड़ रुपये की ठगी कर चुके दो जालसाज, बिहार के औरंगाबाद निवासी प्रेम प्रकाश विद्यार्थी और उसके साथी समस्तीपुर निवासी संतोष कुमार को मंगलवार देर रात साइबर क्राइम पुलिस ने चिनहट के कठौता इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपी स्टडी पाथवे नाम से कंसल्टेंसी सेंटर खोलकर लोगों से एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर ठगी कर रहे थे। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि कुछ दिन पहले विभूतिखंड और साइबर क्राइम थाने में एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर अलग-अलग लोगों ने स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोप था कि कंसल्टेंसी के कर्मचारियों ने उन लोगों से दाखिले के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की थी। जांच में पता चला कि स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी का दफ्तर विभूतिखंड इलाके में है। पुलिस जब वहां पहुंची तो दफ्तर बंद मिला। वहां काम करने वाले लोग भाग चुके थे। जांच में पता चला कि कंसल्टेंसी का मुख्य संचालक अभिनव शर्मा है, जिसका असली नाम प्रेम प्रकाश विद्यार्थी है। संतोष कुमार उसका मुख्य सहयोगी है।